



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

INTRODUCTION

Who is INPUD?

INPUD कौन है?

The International Network of People Who Use Drugs (INPUD) is a global, peer-based network that seeks to promote the health and protect the rights and dignity of people who use/have used drugs. (For more information about INPUD see: www.inpud.net)

ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क (INPUD), एक विश्व स्तरीय, सहकर्मी आधारित नेटवर्क है जो की ड्रग्स का उपयोग कर रहे/ड्रग्स का उपयोग कर चुके व्यक्तियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और अधिकारों व सम्मान की रक्षा करना चाहत। (INPUD के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.inpud.net देखें)

Why Conduct Research on COVID-19? (Purpose & Aims)

COVID-19 पर शोध क्यों करें? (उद्देश्य एवं लक्ष्य)

As a global peer-based network, INPUD is committed to supporting its diverse communities during and beyond the COVID-19 pandemic through the collection and reporting of information on the experiences, needs and aspirations of people who use drugs globally. To this end, INPUD's peer-driven research aims to:

एक विश्व स्तरीय, सहकर्मी आधारित नेटवर्क होने के नाते, INPUD वैश्विक स्तर पर ड्रग्स का उपयोग लोगों के अनुभवों, जरूरतों और आकांक्षाओं के बारे में जानकारी के संग्रह और रिपोर्टिंग के माध्यम से COVID-19 महामारी के दौरान और उसके बाद अपने विविध समुदायों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसा करने के लिए INPUD की सहकर्मी संचालित शोध का उद्देश्य है

- Understand how people who use drugs experience and emerge from COVID-19 induced change, disruptions and official emergency powers;
समझें की ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्ति COVID -19 प्रेरित परिवर्तन, व्यवधान और आधिकारिक आपातकालीन शक्तियों को कैसे अनुभव कर रहे रहे हैं और उनसे उभरते कैसे है
- Document and monitor human rights violations, service disruptions and other difficulties experienced by people who use drugs associated with COVID-19 responses; and COVID-19 प्रतिक्रिया से जुड़े मानवाधिकारों के उल्लंघनों, सेवाओं का विघटन और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों द्वारा अन्य होने वाली कठनाइयों की जांच और उनका उल्लेख करें
- Capture and document the adoption of responses that address the needs of people who use drugs to inform advocacy and to protect these gains in the post-COVID-19 environment.
एडवोकेसी के लिए एवं इन लाभों को COVID-19 के बाद के वातावरण में उपयोग करने के लिए उन सभी बदली गई प्रतिक्रियाओं का उल्लेखन करना एवं उनको संगठित करना जो ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करती हैं

INPUD will use the information collected for its work at the global level including its advocacy and reporting to UN agencies and other relevant organisations. The information will also be shared in brief regular reports (such as this one) published on the INPUD website and made available to regional networks of people who use drugs to support their work on the ground in these contexts. Given the

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

fast-paced nature of developments in the COVID-19 pandemic environment, this research has been developed in a short timeframe to allow for the timely identification and response of emerging issues for people who use drugs. This research is funded by the International Network of People Who Use Drugs (INPUD).

इकट्ठा की गई जानकारीयों को INPUD विश्व स्तर पर अपने कामों में उपयोग करेगा जिसमें संयुक्त राष्ट्र के शाखाओं को एवं अन्य उचित संस्थाओं को को रेपोरिंग एवं एडवोकेसी करना भी शामिल है। जानकारीयों को संक्षिप्त नियमित रिपोर्ट (जैसी की ये रिपोर्ट है) उसके माध्यम से प्रकाशित किया जायेगा जो की INPUD की वेबसाइट पर एवं ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के अन्य छेत्रिये नेटवर्कों के काम को इस सन्दर्भ में सहयोग करने के लिए भी प्रकाशित किया जायेगा COVID - 19 की सर्वव्यापी महामारी के तेज़ रफ़्तार से बदलते वातावरण को ध्यान में रखते हुए इस शोध को कम समय में विकसित किया गया है ताकि ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के उभरते मुद्दों को सही समय पर समझा जा सके और उनका निदान किया जा सके। यह शोध ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन (INPUD) द्वारा वित्त पोषित किया गया है

How the Research was Conducted? (Approach/Methodology)

शोध को कैसे किया गया था? (दृष्टिकोण / पद्धति)

This research is based on data collected through a global online, self-administered, qualitative survey based on a mixed methods approach. The research approach is entirely peer-based with the key investigator a PWUD peer research consultant and all aspects of the research design, survey development, language translation, data collection/analysis and report writing conducted in consultation with the INPUD COVID-19 Research Working Group and Data Analysis Sub-Committee. The membership of the Working Group/Sub-Committee consists of INPUD staff and self-nominated individuals from the regional and country-based networks of people who use drugs.

यह शोध एक वैश्विक ऑनलाइन के माध्यम से, मिश्रित तरीकों के दृष्टिकोण के आधार पर स्व-प्रशासित, गुणात्मक सर्वेक्षणएकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है अनुसंधान दृष्टिकोण पूरी तरह से सहकर्म-आधारित है जिसमें प्रमुख जांचकर्ता एक ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति सह कर्मि आधारित कंसलटेंट एवं अनुसंधान डिजाइन के सभी पहलुओं, सर्वेक्षण विकास, भाषा का अनुवाद, आकड़ों का एकत्रण, विश्लेषण एवं रिपोर्ट का लेखन INPUD COVID-19 अनुसंधान कार्यान्वित समूह एवं आकड़ों का विश्लेषण करने वाली उप समिति द्वारा किया गया है। कार्यान्वित समूह एवं उप समिति में INPUD के कर्मचारी एवं छेत्रिये एवं देश आधारित नेटवर्क से स्वयं नामांकित व्यक्ति सम्मिलित हैं

The English version of the online survey (using the Survey Monkey platform) was opened to respondents from 8 May 2020. The survey was translated and made available online in Italian, Spanish, Russian, Hindi and Portuguese. The data analysed in this report was collected between 8 May – 31 May 2020 across all six language versions of the survey. Data analysis was conducted using automatically generated Survey Monkey data summary reports for the quantitative results and a qualitative thematic analysis approach to identify the key themes within each language version and the collated data set. Data collection is ongoing and further data analysis and reports will be produced in due course.

ऑनलाइन सर्वेक्षण का अंग्रेजी संस्करण (सर्वे मंकी का उपयोग करके) उत्तर दाताओं के लिए 8 मई 2020 से खोला गया था। सर्वेक्षण का अनुवाद इतालियन, स्पेनिश, रूसी, हिंदी एवं पोर्तुगी भाषाओं में किया गया था एवं ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था। इस रिपोर्ट में विश्लेषण किये गए आकड़ें 8 मई से 31 मई 2020 के बीच छे भाषाओं के ऑनलाइन सर्वेक्षण का उपयोग करके एकत्रित किये गए थे। सर्वे मंकी द्वारा स्वयं उत्पन्न होने सारांश रिपोर्ट्स का उपयोग करके मात्रात्मक आकड़ों का विश्लेषण किया गया एवं गुतात्मक आकड़ों का विश्लेषण सभी भाषाओं में उत्पन्न होने वाले मुख्या विषयों का विषयगत

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

विश्लेषण कर के किया गया। आकड़ों के संग्रहण का काम जारी है एवं आगे के डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट का नियत समय में उत्पादन किया जाएगा।

RESULTS & DISCUSSION

The data presented below is a brief overview and summary of initial data from the first 3 weeks of the online survey. The English survey was available first with surveys in the other languages being uploaded as soon as they were available. The data analysis below reflects this development process. This data report is designed to provide a brief overview of the data collected and some of the key emerging issues. For this reason, not all available data is included in the analysis below.

नीचे प्रस्तुत डेटा एक संक्षिप्त अवलोकन और ऑनलाइन सर्वेक्षण के पहले 3 सप्ताह से प्रारंभिक डेटा का सारांश है। अंग्रेजी सर्वेक्षण सबसे पहले उपलब्ध अन्य भाषाओं में सर्वेक्षण के साथ उपलब्ध था जैसे ही वे उपलब्ध थे। नीचे दिया गया डेटा विश्लेषण इस विकास प्रक्रिया को दर्शाता है। यह डेटा रिपोर्ट एकत्र किए गए डेटा का संक्षिप्त अवलोकन और कुछ प्रमुख उभरते मुद्दों को प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस कारण से, नीचे उपलब्ध विश्लेषण में सभी उपलब्ध डेटा शामिल नहीं हैं

Country specific data has been provided for some responses to provide context, but this should not be taken to mean that the issues reported have not occurred in other settings.

संदर्भ प्रदान करने के लिए कुछ प्रतिक्रियाओं के लिए देश विशिष्ट डेटा प्रदान किया गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि रिपोर्ट की गई समस्याएं अन्य सेटिंग्स में नहीं हुई हैं।

This brief report includes:
इस संक्षिप्त रिपोर्ट में शामिल हैं:

1. **Overview of the total sample** to 31 May 2020;
31 मई 2020 तक कुल नमूने का अवलोकन;
2. **Data on 3 specific COVID-19 questions** on testing and awareness of cases;
मामलों के परीक्षण और जागरूकता पर 3 विशिष्ट COVID-19 प्रश्नों पर डेटा;
3. **Brief qualitative summary of key themes and issues** from 4 key sections of survey on:
सर्वेक्षण के 4 प्रमुख वर्गों से प्रमुख विषयों और मुद्दों का संक्षिप्त गुणात्मक सारांश:
 - a. **Health and Harm Reduction;**
हेल्थ एंड हार्म रिडक्शन;
 - b. **Drug Use and Safe Supply;**
दवा का उपयोग और सुरक्षित आपूर्ति;
 - c. **Drug Laws and Detention;** and
ड्रग कानून और निरोध; तथा
 - d. **Protecting Human Rights.**
मानवाधिकारों की रक्षा करना।



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

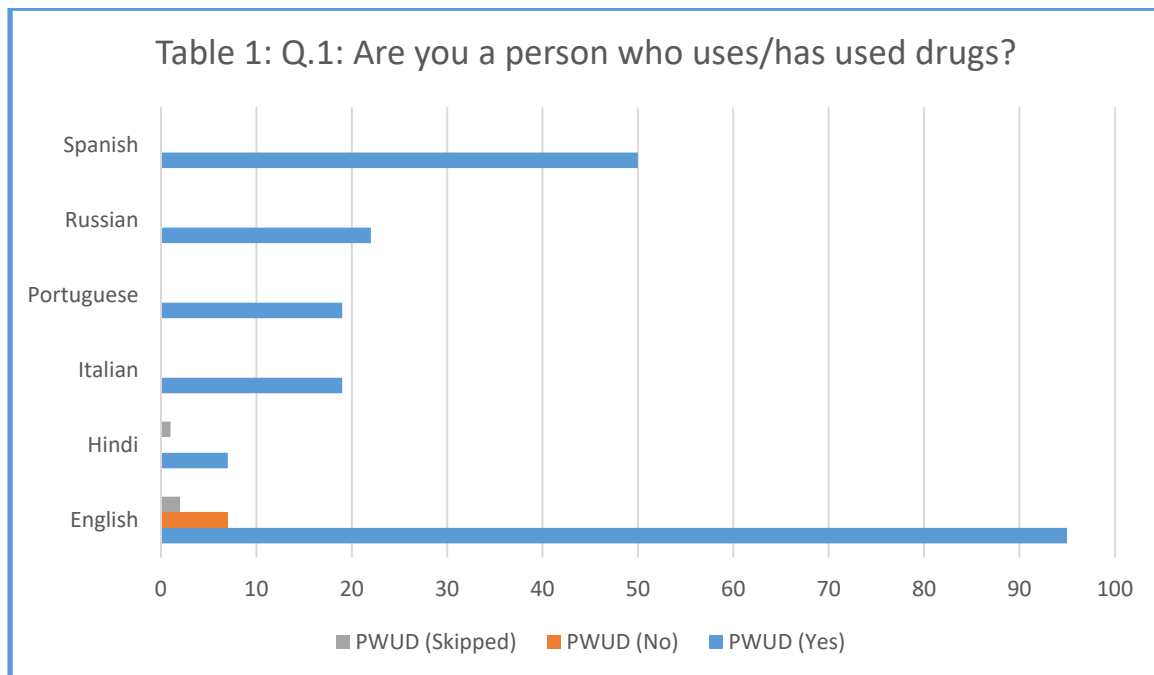
1. Overview of Sample

A total of 222 respondents from 50 countries completed the online survey between 8 May – 31 May 2020 which includes 104 respondents to English survey, 50 respondents to Spanish survey, 19 respondents to Italian survey, 8 respondents to Hindi survey, 19 respondents to Portuguese survey and 22 respondents to Russian survey.

50 देशों के कुल 222 उत्तरदाताओं ने 8 मई से 31 मई 2020 के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण पूरा किया, जिसमें अंग्रेजी सर्वेक्षण में 104 उत्तरदाता, स्पेनिश सर्वेक्षण के 50 उत्तरदाता, इटैलियन सर्वेक्षण के 19 उत्तरदाता, हिंदी सर्वेक्षण के 8 उत्तरदाता, पुर्तगाली सर्वेक्षण के 19 उत्तरदाता शामिल हैं और रूसी सर्वेक्षण के 22 उत्तरदाता।

Of these respondents, a majority 212 (96%) identified as people who use/have used drugs, 7 (3%) respondents to the English survey answered “no” and 3 (1%) respondents skipped the question (from English (2) & Hindi (1) surveys). All 110 (100%) respondents to the Italian, Portuguese, Russian and Spanish surveys answered “yes” to question 1. Table 1 below shows the number of respondents who identified as a person who uses/has used drugs based on the language version completed:

इन उत्तरदाताओं में से, बहुसंख्यक 212 (96%) में उन लोगों के रूप में पहचान की, जो ड्रग्स का उपयोग / उपयोग करते हैं, अंग्रेजी सर्वेक्षण के 7 (3%) उत्तरदाताओं ने “नहीं” और 3 (1%) उत्तरदाताओं ने सवाल छोड़ दिया (अंग्रेजी (2) और हिंदी (1) सर्वेक्षण)। सभी 110 (100%) उत्तरदाताओं ने इटैलियन, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश सर्वेक्षणों के प्रश्न 1 का “हां” में जवाब दिया है। नीचे दी गई तालिका 1 उन उत्तरदाताओं की संख्या को दर्शाती है जो भाषा के संस्करण के आधार पर ड्रग्स का उपयोग करने वाले व्यक्ति है :





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

Participants were asked whether they were completing the survey as an individual or on behalf of a peer-led organisation. Of the 222 total respondents, a majority 160 (72%) are individual respondents and 24 (11%) responded on behalf of peer-led organisation. A total of 38 (17%) of respondents skipped this question.

प्रतिभागियों से पूछा गया था कि क्या वे एक व्यक्ति के रूप में या एक सहकर्मी के नेतृत्व वाले संगठन की ओर से सर्वेक्षण पूरा कर रहे थे। कुल 222 उत्तरदाताओं में से, अधिकांश 160 (72%) व्यक्तिगत उत्तरदाताओं और 24 (11%) ने सहकर्मी के नेतृत्व वाले संगठन की ओर से जवाब दिया है। उत्तरदाताओं के कुल 38 (17%) ने इस सवाल को छोड़ दिया।

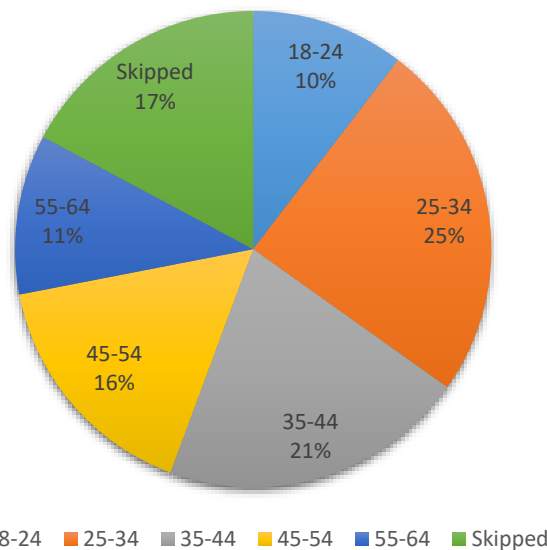
Age Range:

आयु सीमा:

Of the 222 total respondents, most 54 (24%) respondents are in 25-34 y.o. age range, followed by 46 (21%) in 35-44 y.o. age range and 36 (16%) in 45-54 y.o. age range. A slightly smaller number 24 (11%) respondents in 55-64 y.o range and 23 (10%) respondents in 18-24 y.o. age range. There was only 1 respondent in the over 65 y.o. age range in English sample and no respondents under 18 in any of the samples. A total of 38 (17%) respondents skipped this question.

222 कुल उत्तरदाताओं में से, अधिकांश 54 (24%) उत्तरदाता 25-34 y.o. आयु सीमा, इसके बाद 46 (21%) उत्तरदाता 35-44 y.o. आयु सीमा और 36 (16%) 45-54 y.o. में आयु सीमा। एक छोटी संख्या 24 (11%) उत्तरदाता 55-64 y.o और 23 (10%) उत्तरदाता 18-24 y.o. आयु सीमा। अंग्रेजी सैंपल में केवल 1 उत्तरदाता 65 y.o. आयु सीमा का था और किसी भी सैंपल में 18 से कम कोई उत्तरदाता नहीं है। कुल 38 (17%) उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न को छोड़ दिया।

Table 2: Age Range



Gender Identity:

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

लिंग पहचान:

Of the 222 total respondents, 92 (41%) of respondents identified as male and 81 (37%) of respondents identified as female. A total of 3 (1%) of respondents identified as Trans, 4 (2%) identified as Non-binary, 2 (1%) as Gender Fluid and 2 (1%) as Other gender identity. A total of 38 (17%) of respondents skipped this question.

कुल 222 उत्तरदाताओं में से, 92 (41%) उत्तरदाताओं को पुरुष के रूप में और 81 (37%) उत्तरदाताओं को महिला के रूप में पहचाना गया। उत्तरदाताओं का कुल 3 (1%) ट्रांस, 4 (2%) नॉन-बाइनरी, 2 (1%) जेंडर फ्लूइड और 2 (1%) को अन्य लिंग पहचान के रूप में पहचाना गया है। उत्तरदाताओं के कुल 38 (17%) ने इस सवाल को छोड़ दिया।

Race/Ethnicity:

रेस / जातीयता:

Of the 222 total respondents, 98 (55%) identified as White/Caucasian, 36 (20%) as Hispanic/Latino, 14 (8%) Russian, 9 (5.5%) Asian, 7 (4%) South Asian, 7 (4%) Black/African American, 4 (2.5%) Sub-Saharan African and 2 (1%) Middle Eastern. A total of 45 (20%) of respondents skipped this question.

कुल 222 उत्तरदाताओं में से, 98 (55%) को व्हाइट / कोकेशियन, 36 (20%) के रूप में हिस्पैनिक / लेटिनो, 14 (8%) रूसी, 9 (5.5%) एशियाई, 7 (4%) दक्षिण एशियाई, 7 (4%) काला / अफ्रीकी अमेरिकी, 4 (2.5%) उप-सहारा अफ्रीकी और 2 (1%) मध्य पूर्वी के रूप में पहचाना गया। उत्तरदाताओं के कुल 45 (20%) ने इस सवाल को छोड़ दिया।

Drugs Used Most Often:

अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रग्स:

Respondents were asked about drugs used most and could select more than one option. Among the respondents to this question, the most used drugs are Cannabis (65%), Opioids (48%), Stimulants (34%) Psychedelics (26%) with smaller number of respondents listing other drugs including: Benzodiazepines, Dissociatives (incl. Ketamine), Fentanyl, MDMA, GHB, Alcohol and Tobacco. Approximately 20% of respondents chose to skip this question which likely relates to potential concerns about answering questions relating to the use of illicit drugs.

उत्तरदाताओं को सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाले के बारे में पूछा गया था और वो एक से अधिक विकल्पों का चयन कर सकते थे। इस सवाल के उत्तरदाताओं में, सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाला ड्रग कैनबिस (65%), ओपियोयड्स (48%), स्टिमुलेंट्स (34%) साइकेडेलिक्स (26%) हैं। उत्तरदाताओं की छोटी संख्या में अन्य दवाएं शामिल हैं: बेंजोडायजेपिन्स, डिसिजिटिक्स (incl। केटामाइन), फेंटैनल, एमडीएमए, जीएचबी, अल्कोहल और तंबाकू। लगभग 20% उत्तरदाताओं ने इस सवाल को छोड़ना चुना, जो संभावित रूप से अवैध ड्रग्स के उपयोग से संबंधित सवालों के जवाब देने के बारे में संभावित चिंताओं से संबंधित है।

2. Specific COVID-19 Questions on Testing and Awareness

INPUD is aware of the complexities associated with asking questions about testing and diagnosis associated with COVID-19. Current access to testing is very limited, even where testing is available, questions over reliability remain, and people's understanding of the virus and associated illness is still developing. Despite these issues however, the overwhelming lack of data on the impact of COVID-19 among people who use drugs prompted us to include a small number of initial questions on these issues to help further build our understanding. Respondents were asked 3 questions relating to COVID-

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

19 including whether they had tested positive for COVID-19, whether they suspected they had COVID-19 but had not been tested and whether they had heard about COVID-19 cases among people who use drugs in their local area.

INPUD, COVID-19 से जुड़े परीक्षण और निदान के बारे में सवाल पूछने से जुड़ी जटिलताओं से अवगत है। परीक्षण की वर्तमान पहुंच बहुत सीमित है, यहां तक कि जहां परीक्षण उपलब्ध है, विश्वसनीयता पर सवाल बने हुए हैं, और वायरस और संबंधित बीमारी के बारे में लोगों की समझ अभी भी विकसित हो रही है। हालाँकि, इन मुद्दों के बावजूद, जो लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं, उन लोगों में COVID-19 के प्रभाव पर डेटा की भारी कमी ने हमें इन मुद्दों पर कम से कम शुरुआती सवालों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया ताकि हमारी समझ को और बढ़ाया जा सके। उत्तरदाताओं से COVID-19 से संबंधित 3 प्रश्न पूछे गए थे, जिसमें पूछा गया कि क्या आप COVID-19 के लिए सकारात्मक पाए गए थे, क्या उन्हें संदेह है कि उन्हें COVID-19 था, और क्या उन्होंने अपने स्थानीय क्षेत्र में जो लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं उनके COVID-19 मामलों के बारे में सुना था।

Perhaps unsurprisingly given the lack of access to testing, most respondents (94%) answered that they had not tested positive to COVID-19. When asked a follow-up question about whether they suspected they may have had COVID-19, but had not been tested however, approximately 13% of respondents answered “yes” adding comments such as: “possibly in February was the sickest I ever been before stuff started shutting down” and “wanted to be tested but cannot”.

शायद अनजाने में परीक्षण की पहुंच में कमी को देखते हुए, अधिकांश उत्तरदाताओं (94%) ने उत्तर दिया कि वो COVID-19 सकारात्मक नहीं थे। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या उन्हें संदेह है कि उन्हें COVID-19 हो सकता है, लेकिन इसका परीक्षण नहीं किया गया था, तो लगभग 13% उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया, “हाँ” और साथ में इस तरह की टिप्पणी जोड़ते हैं: “संभवतः फरवरी में मैं सबसे ज्यादा बीमार था, सबकुछ बंद होने से पहले “और” परीक्षण किया जाना चाहता था, लेकिन नहीं कर सकता”।

Further, approximately 68% of respondents answered “no” when asked if they were hearing about COVID-19 cases among people who use drugs in their area but 20% of respondents answered “yes” to this question with the remaining 12% “unsure”. Additional comments included a range of issues such as concerns about “cases spiking in homeless populations which include PWUD” and “hearing that people are testing positive in my neighbourhood without symptoms and hearing about lots of people being treated”.

इसके अलावा, लगभग 68% उत्तरदाताओं ने “नहीं” का जवाब दिया, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अपने क्षेत्र में ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के बीच COVID-19 मामलों के बारे में सुन रहे थे, लेकिन 20% उत्तरदाताओं ने इस सवाल का जवाब “हाँ” में दिया, शेष 12% “अनिश्चित” थे। अतिरिक्त टिप्पणियों में कई मुद्दों को शामिल किया गया जैसे कि “बेघर आबादी में होने वाले मामलों में PWUD को शामिल करने के मामले” और “यह सुनना कि लोग बिना लक्षणों के मेरे पड़ोस में सकारात्मक आ रहे हैं और बहुत से लोगों का इलाज किया जा रहा है”।

Others raised concerns about what they saw as the lack of systematic data collection in relation to COVID-19 and people who use drugs and about the “very poor involvement of drug users in the COVID-19 fight”. Linked to this issue, another respondent made the comment that “it is strange that we haven’t heard of any peers with COVID” although others stated that they are hearing about COVID-19 cases among clients using Needle & Syringe Programs (NSPs) in their local areas. Also of note, were comments about dealers trying to ensure social distancing to keep their customers and themselves safe. These issues will require ongoing monitoring to form a clearer picture of what is occurring.

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD) DATA REPORT 1 June 2020

दूसरों ने COVID-19 के संबंध में व्यवस्थित डेटा संग्रह की कमी और उन लोगों के बारे में चिंता व्यक्त की, जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं और "COVID-19 लड़ाई में ड्रग उपयोगकर्ताओं की बहुत खराब भागीदारी" के बारे में। इस मुद्दे से जुड़े, एक अन्य प्रतिवादी ने टिप्पणी दी कि "यह अजीब है कि हमने COVID के साथ किसी भी सहकर्मी के बारे में नहीं सुना है" हालांकि अन्य ने कहा कि वे अपने स्थानीय क्षेत्र में नीडल एंड सिरिज प्रोग्राम (एनएसपी) का उपयोग कर ग्राहकों में COVID-19 मामलों के बारे में सुन रहे हैं। इसके अलावा, डीलरों के बारे में टिप्पणी थी कि वे अपने ग्राहकों और खुद को सुरक्षित रखने के लिए सामाजिक दूरियां सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। एक स्पष्ट तस्वीर बनाने के लिए इन मुद्दों को निगरानी की आवश्यकता होगी।

3. Qualitative Summary of Key Themes & Issues

Section 1: Health & Harm Reduction

This section focused on a series of questions about access to harm reduction and other health and social services support for people who use drugs in the COVID-19 pandemic environment. Specific issues include what services PWUD have access to, whether services have been prioritised and/or expanded due to COVID-19 and how PWUD are coping with the challenges associated with the COVID-19 pandemic.

यह खंड COVID-19 महामारी के वातावरण में ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए हार्म रिडक्शन और अन्य स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं के समर्थन के बारे में सवालों की एक श्रृंखला पर केंद्रित है। विशिष्ट मुद्दों में शामिल हैं कि COVID-19 के कारण सेवाओं की प्राथमिकता क्या है, क्या सेवाओं को प्राथमिकता दी गई है और / या विस्तारित की गई है, और कैसे PWUD, COVID-19 महामारी से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

Access to Harm Reduction Services:

One of the more positive outcomes from this survey is that when asked a general question about whether harm reduction services are available in their area approximately 65% respondents answered "yes". Although it should be said, that 65% still indicates considerable room for improvement in the provision of basic harm reduction services. The only exception to this was in the Spanish language survey where over 50% of respondents answered "no" to this question.

इस सर्वेक्षण से अधिक सकारात्मक परिणामों में से एक यह है कि जब उनसे पूछा गया कि उनके क्षेत्र में हार्म रिडक्शन की सेवाएं उपलब्ध हैं, तो लगभग 65% उत्तरदाताओं ने "हां" का जवाब दिया है। हालांकि यह कहा जाना चाहिए, कि 65% अभी भी बुनियादी हार्म रिडक्शन सेवाओं के प्रावधान में सुधार के लिए काफी जगह संकेत देता है। इसका एकमात्र अपवाद स्पैनिश भाषा के सर्वेक्षण में था जहां 50% से अधिक उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का उत्तर "नहीं" दिया।

When respondents were asked about whether harm reduction services are *properly* funded in their area however, we see almost the opposite response with close to 80% answering "no" or "unsure" and only around 20% answering "yes". The only exception to this trend is the Hindi survey with approximately 60% of respondents answering "yes" and only 25% answering "no" and 15% "unsure". It is important to note here however that the numbers in the first 3 weeks of the Hindi survey are small (n=8) as it was one of the last surveys to become available. It may also reflect the level of understanding of "harm reduction" services in different regions of the country by the survey respondents. Ongoing monitoring of the above issues will be important as more respondents complete the survey.



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

जब उत्तरदाताओं से पूछा गया कि क्या हार्म रिडक्शन सेवाओं को उनके क्षेत्र में ठीक से वित्त पोषित किया गया है, तो हम लगभग विपरीत प्रतिक्रिया देखते हैं, जिसमें 80% ने करीब "नहीं" या "अनिश्चित" और केवल 20% के आसपास "हां" का जवाब दिया गया है। इस प्रवृत्ति का एकमात्र अपवाद हिंदी सर्वेक्षण है जिसमें लगभग 60% उत्तरदाताओं ने "हां" और केवल 25% उत्तर "नहीं" और 15% "अनिश्चित" का उत्तर दिया है। यहाँ यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि हिंदी सर्वेक्षण के पहले 3 हफ्तों में संख्याएँ छोटी हैं (n = 8) क्योंकि यह उपलब्ध होने वाले अंतिम सर्वेक्षणों में से एक थी। यह सर्वेक्षण उत्तरदाताओं द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में "हार्म रिडक्शन" सेवाओं की समझ के स्तर को भी दर्शा सकता है। उपरोक्त मुद्दों की निगरानी करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अधिक उत्तरदाता सर्वेक्षण पूरा करते हैं।

Types of Harm Reduction Services Available:

Respondents were also asked about the specific types of harm reduction services available and could choose as many options as applied. While those who had access to harm reduction services indicated they had access to 'core' harm reduction services such as NSP, Opioid Treatment (OST), HIV testing, counselling & ART, HCV prevention, diagnosis and treatment, STI prevention and treatment and harm reduction information, they identified ongoing problems with access to certain types of harm reduction services. These included HBV vaccination, diagnosis and treatment, TB prevention, diagnosis and treatment and comprehensive overdose prevention including naloxone provision. Respondents also identified an ongoing lack of access to safe consumption rooms, drug checking services, heroin assisted treatment and safe supply programs with only small numbers of respondents indicating the availability of these harm reduction services in their area.

उत्तरदाताओं को विशिष्ट प्रकार की हार्म रिडक्शन सेवाओं के बारे में भी पूछा गया था और वे उतने ही विकल्प चुन सकते थे जितना लागू किया जा सकता है। जबकि जिन लोगों की हार्म रिडक्शन वाली सेवाओं तक पहुंच थी, उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास 'कोर' हार्म रिडक्शन सेवाएँ उपलब्ध हैं जैसे की एनएसपी, ओपियोड ट्रीटमेंट (ओएसटी), एचआईवी परीक्षण, परामर्श और एआरटी, एचसीवी रोकथाम, निदान और उपचार, एसटीआई रोकथाम और उपचार और हार्म रिडक्शन की जानकारी, और उन्होंने कुछ प्रकार की हार्म रिडक्शन वाली सेवाओं तक पहुंच के साथ चल रही समस्याओं की पहचान की। इनमें एचबीवी टीकाकरण, निदान और उपचार, टीबी की रोकथाम, निदान और उपचार और नालॉक्सोन प्रावधान सहित व्यापक ओवरडोज रोकथाम शामिल हैं। उत्तरदाताओं ने अपने क्षेत्र में इन हार्म रिडक्शन सेवाओं की उपलब्धता का संकेत देने वाले उत्तरदाताओं की केवल कम संख्या के साथ सुरक्षित उपभोग कक्ष, दवा जाँच सेवाओं, हेरोइन सहायता उपचार और सुरक्षित आपूर्ति कार्यक्रमों तक पहुंच की निरंतर कमी की पहचान की।

It should also be noted that even where harm reduction services are available, some surveys indicated better access to some services than others. For example, the Hindi survey respondents indicated better access to OST than NSP while the Portuguese speaking respondents only indicated moderate access to NSP and no access to OST. The Italian survey respondents were the only participants to indicate a high level of access to comprehensive overdose prevention (including naloxone provisions) at 75% followed by the English survey respondents at 50%. On average however, only 30% of respondents across all surveys indicated access to comprehensive overdose prevention.

यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जहां नुकसान कम करने वाली सेवाएं उपलब्ध हैं, वहां भी कुछ सर्वेक्षणों ने दूसरों की तुलना में कुछ सेवाओं तक बेहतर पहुंच का संकेत दिया। उदाहरण के लिए, हिंदी सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं ने एनएसपी की तुलना में ओएसटी तक बेहतर पहुंच का संकेत दिया, जबकि पुर्तगाली बोलने वाले उत्तरदाताओं ने केवल एनएसपी के लिए उदारवादी पहुंच और ओएसटी तक पहुंच का संकेत दिया। इटैलियन सर्वेक्षण उत्तरदाताओं में 50% पर अंग्रेजी सर्वेक्षण उत्तरदाताओं द्वारा 75% पर व्यापक ओवरडोज रोकथाम (नालॉक्सोन प्रावधानों सहित) तक उच्च स्तर की पहुंच का संकेत

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

देने वाले एकमात्र प्रतिभागी थे। हालांकि, औसतन सभी सर्वेक्षणों में केवल 30% उत्तरदाताओं ने व्यापक ओवरडोज की रोकथाम तक पहुंच का संकेत दिया।

Expansion and Prioritisation of Harm Reduction Services & COVID-19:

When asked about additional funding being made available for harm reduction services in their area to respond to COVID-19 over 90% of respondents answered either “no” or “unsure” to this question. Similarly, approximately 70% respondents answered “no” or “unsure” to whether harm reduction services in their local area have been declared a ‘essential service’. Together, these questions highlight at best, that people who use drugs have not been sufficiently made aware of increases to or prioritising of harm reduction services in response to COVID-19 or, at worst, it is a sign that harm reduction services have not been protected and scaled-up in the COVID-19 pandemic. Ultimately, either conclusion is concerning when we consider that some people who use drugs may be living with multiple chronic health conditions, compromised immune systems and other issues such as poor housing, homelessness, poverty, incarceration, etc.

हार्म रिडक्शन सेवाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही अतिरिक्त धनराशि COVID-19 के बारे में पूछे जाने पर 90% से अधिक उत्तरदाताओं का इस सवाल का जवाब "नहीं" या "अनिश्चित" है। इसी तरह, लगभग 70% उत्तरदाताओं ने "नहीं" या "अनिश्चित" उत्तर दिया कि क्या उनके स्थानीय क्षेत्र में हार्म रिडक्शन सेवाओं को 'आवश्यक सेवा' घोषित किया गया है। साथ में, ये प्रश्न सर्वोत्तम रूप से उजागर करते हैं, कि जो लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं, उन्हें COVID-19 के जवाब में हार्म रिडक्शन सेवाओं की वृद्धि या प्राथमिकता के बारे में पर्याप्त रूप से अवगत नहीं कराया गया है, या, सबसे कम, यह संकेत है कि COVID-19 महामारी में हार्म रिडक्शन वाली सेवाएं संरक्षित नहीं हैं। अंत में, या तो निष्कर्ष तब होता है जब हम मानते हैं कि कुछ लोग जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं, वे कई पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों, समझौता किए गए प्रतिरक्षा प्रणालियों और अन्य मुद्दों जैसे कि गरीब आवास, बेघर, गरीबी, अव्यवस्था, आदि के साथ रह सकते हैं।

Respondents also overwhelmingly stated that overall, harm reduction services had decreased rather than increased both in relation to opening hours and the types of services offered. Additional comments from respondents included perspectives on service availability issues including that many state-run or government services had closed mostly or entirely sometimes leaving NGO and peer-run services as the only services operating in some areas (countries where this was specifically reported included Greece, Mexico, Belarus). Respondents also identified problems associated with harm reduction programs that are part of a larger mainstream health service having to close when the larger service closed due to the COVID-19 shutdown.

उत्तरदाताओं ने यह भी कहा कि कुल मिलाकर, हार्म रिडक्शन सेवाओं को खोलने का समय और सेवाओं की पेशकश के प्रकारों के संबंध में वृद्धि के बजाय कम हो गई थी। उत्तरदाताओं की अतिरिक्त टिप्पणियों में सेवा की उपलब्धता के मुद्दों पर दृष्टिकोण शामिल थे, जिनमें से कई राज्य द्वारा संचालित या सरकारी सेवाएं ज्यादातर बंद हो गई थीं या पूरी तरह से कभी-कभी एनजीओ और पीयर-रन सेवाओं को छोड़कर कुछ क्षेत्रों में काम करने वाली एकमात्र सेवाएं थीं (उन देशों में जहां यह विशेष रूप से मेक्सिको, बेलारूस और ग्रीस शामिल थी)। उत्तरदाताओं ने हार्म रिडक्शन वाले कार्यक्रमों से जुड़ी समस्याओं की पहचान की है जो COVID-19 के होने के कारण बड़ी सेवा बंद होने पर मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा का हिस्सा हैं।

Of the harm reduction services that were operating, respondents identified that some services had worked hard to develop new and modified service models in the COVID-19 environment including more home delivery, postal and mobile services for harm reduction supplies and more outreach, phone-based and minimum contact service delivery approaches. Respondents also mentioned the

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

introduction of strategies such as pre-bagging and doubling/increasing the amount of supplies provided to reduce the need for PWUD to physically attend services. These developments however were tempered by comments about the stress that these additional service models were putting on NGO and peer-based services particularly if they were not receiving additional funding to cope with these changes and the additional demands on their services due to mainstream service closure.

हार्म रिडक्शन वाली सेवाओं में से जो चल रही थीं, उत्तरदाताओं ने पहचान की कि कुछ सेवाओं ने COVID-19 पर्यावरण में नए और संशोधित सेवा मॉडल विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिसमें हार्म रिडक्शन की आपूर्ति और अधिक आउटरीच, फोन-आधारित के लिए अधिक होम डिलीवरी, डाक और मोबाइल सेवाएं शामिल हैं। और न्यूनतम संपर्क सेवा वितरण दृष्टिकोण। उत्तरदाताओं ने पूर्व-बैगिंग और दोहरीकरण / आपूर्ति बढ़ाने के लिए रणनीतियों की शुरुआत का उल्लेख किया, जो कि पीडब्ल्यूडी को शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता को कम करने के लिए प्रदान की गई आपूर्ति को बढ़ाता है। हालांकि ये घटनाक्रम तनाव के बारे में टिप्पणियों से नाराज थे कि ये अतिरिक्त सेवा मॉडल एनजीओ और सहकर्मी-आधारित सेवाओं पर डाल रहे थे, खासकर अगर उन्हें इन परिवर्तनों से निपटने के लिए अतिरिक्त धन प्राप्त नहीं हो रहा था और मुख्यधारा की सेवा बंद होने के कारण उनकी सेवाओं पर अतिरिक्त मांग थी।

Changes to Harm Reduction Services & COVID-19:

Respondents were also asked about changes to harm reduction services in relation to COVID-19 safety and hygiene issues. Participants identified that harm reduction services had made changes in relation to issues such as physical distancing, access to hand sanitisation, good information on preventing Coronavirus, rules for accessing the service if unwell, outreach and home delivery. However, respondents identified less changes in relation to providing separate entry/exits and alternative service options such as dispensing chutes. The positive overall outcome is that less than 10% of respondents said that “no changes had been made” due COVID-19 conditions in the harm reduction services they access.

उत्तरदाताओं को COVID-19 सुरक्षा और स्वच्छता के मुद्दों के संबंध में हार्म रिडक्शन वाली सेवाओं में बदलाव के बारे में भी पूछा गया था। प्रतिभागियों ने पहचान की कि हार्म रिडक्शन वाली सेवाओं ने शारीरिक गड़बड़ी, हाथ से सफाई की सुविधा, कोरोनावायरस को रोकने की अच्छी जानकारी, अस्वस्थ, आउटरीच और होम डिलीवरी के लिए सेवा तक पहुंचने के नियमों के संबंध में बदलाव किए हैं। हालांकि, उत्तरदाताओं ने अलग-अलग प्रवेश / निकास और वैकल्पिक सेवा विकल्प जैसे कि च्यूटिंग प्रदान करने के संबंध में कम परिवर्तनों की पहचान की। सकारात्मक समग्र परिणाम यह है कि 10% से भी कम उत्तरदाताओं ने कहा कि हार्म रिडक्शन सेवाओं में COVID-19 शर्तों के कारण “कोई परिवर्तन नहीं किया गया”।

Take-home Doses of OST and Naloxone (pre-COVID):

Although approximately 25% of respondents stated they had access to take-home doses of OST and naloxone pre-COVID-19, comments by respondents also strongly indicated a highly variable environment depending on the treating doctor, the clinic and the city, region and country. Respondents highlighted that the attitudes of medical professionals such as prescribing doctors to take-home doses of OST and naloxone are very dependent on where you live and the service you attend as highlighted here: “Highly dependent on the program whether OST is available take home, and how they perceive your “stability” as a patient”. Some respondents felt that there was more support from doctors for take-home doses of naloxone than take-home doses of OST. Many respondents also highlighted the ongoing problems with stigma and negative attitudes towards OST (including take-home doses), that the quality of service provision “runs the gamut” and that the “rules



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

are tight and inflexible". In addition, respondents from Belarus, Brazil, Bahrain, Nigeria, Cameroon, Russia and Egypt reported that both OST and naloxone continue to be unavailable.

हालांकि लगभग 25% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके पास ओएसटी टेक-होम खुराक और नालोक्सोन पूर्व-COVID -19 की खुराक लेने की पहुंच है , उत्तरदाताओं द्वारा की गई टिप्पणियों ने भी इलाज करने वाले डॉक्टर, क्लिनिक और शहर, क्षेत्र और देश के आधार पर अत्यधिक परिवर्तनशील वातावरण का संकेत दिया। । उत्तरदाताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ओएसटी और नालोक्सोन की खुराक लेने के लिए डॉक्टरों को निर्धारित करने जैसे चिकित्सा पेशेवरों के दृष्टिकोण बहुत निर्भर करते हैं कि आप कहां रहते हैं और यहां आप जिस सेवा में शामिल होते हैं, उस पर प्रकाश डाला गया है: "इस कार्यक्रम पर अत्यधिक निर्भर है कि क्या ओएसटी घर पर उपलब्ध है। और वे एक रोगी के रूप में आपके "स्थिरता" को कैसे समझते हैं। कुछ उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि ओएसटी की टेक-होम खुराक की तुलना में नालोक्सोन की टेक-होम खुराक के लिए डॉक्टरों से अधिक समर्थन था। कई उत्तरदाताओं ने ओएसटी (टेक-होम खुराक सहित) के प्रति स्टिग्मा और नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ चल रही समस्याओं पर भी प्रकाश डाला , कि सेवा प्रावधान की गुणवत्ता "सरगम चलाता है" और "नियम तंग और अनम्य है"। इसके अलावा, बेलारूस, ब्राजील, बहरीन, नाइजीरिया, कैमरून, रूस और मिस्र के उत्तरदाताओं ने बताया कि OST और नालोक्सोन दोनों उपलब्ध नहीं हैं

Take-home Doses of OST & Naloxone during COVID-19:

When asked whether attitudes towards take-home doses of OST and naloxone have changed since COVID-19, respondents were split with 30% of respondents answering "yes", 38% answering "no" and 32% "unsure". Comments by respondents however did highlight the fact that some countries/regions/cities had made changes to policy or relaxed guidelines on the amount of take-home and unsupervised doses available to people on OST such as more take-home doses, less supervised dosing and more flexibility in approaches for those at high risk of COVID-19. In some places home delivery is also available to people in self-isolation, quarantine and for those who are immune compromised. Numerous respondents pointed out how the relaxation of guidelines shows that flexibility in the way that OST is delivered is not only possible in relation to government policy but that it can be done safely and effectively, it *"treats people in a less punitive manner"* and *"more like adults"*. यह पूछे जाने पर कि क्या COVID-19 के बाद से OST और नालोक्सोन की टेक-होम खुराक के प्रति दृष्टिकोण बदल गया है, उत्तरदाताओं को "हां", 38% उत्तर "नहीं" और 32% "अनिश्चित" का जवाब देने वाले उत्तरदाताओं के 30% के साथ विभाजित किया गया था। उत्तरदाताओं द्वारा की गई टिप्पणियों ने हालांकि इस तथ्य को उजागर किया कि कुछ देशों / क्षेत्रों / शहरों ने टेक-होम की राशि पर लोगों के लिए पॉलिसी या आराम से दिशानिर्देशों में बदलाव किया था और ओएसटी पर लोगों के लिए उपलब्ध खुराक जैसे अधिक टेक-होम खुराक, कम पर्यवेक्षण की खुराक और COVID-19 के उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए दृष्टिकोण में अधिक लचीलापन। कुछ स्थानों पर होम डिलीवरी लोगों में आत्म-अलगाव, संगरोध और उन लोगों के लिए भी उपलब्ध है जो प्रतिरक्षा से समझौता करते हैं। कई उत्तरदाताओं ने बताया कि कैसे दिशा-निर्देशों की ढील यह दर्शाती है कि जिस तरह से OST को वितरित किया गया है, वह न केवल सरकारी नीति के संबंध में संभव है, बल्कि यह सुरक्षित और प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, यह "लोगों को कम दंडात्मक तरीके से व्यवहार करता है" और "वयस्कों की तरह"।

Other respondents pointed out that it *"took time to get there"* particularly health departments and public authorities and that the full extent of flexibilities is still not being made available to people on OST in many places. Numerous comments by respondents also highlighted that although policies and guidelines may have changed, it doesn't mean that people on OST are getting more or any take-home doses. Indeed, some respondents indicated that they were not aware of whether changes to policies on OST take-home doses had been made or not. Respondents also expressed concerns about the *"permanency"* of any changes that have been made and what will happen in the post-COVID-19

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

environment. Others highlighted that COVID-19 conditions may have resulted in more flexibility for existing clients but that *"no new registration can be done even for those who need it"* due to the reductions in face-to-face service delivery.

अन्य उत्तरदाताओं ने बताया कि "वहां पहुंचने में समय लगा" विशेष रूप से स्वास्थ्य विभागों और सार्वजनिक प्राधिकरणों और लचीलेपन की पूरी सीमा अभी भी कई स्थानों पर लोगों को OST उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उत्तरदाताओं की कई टिप्पणियों ने यह भी उजागर किया कि नीतियों और दिशानिर्देशों में बदलाव हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि OST पर लोग अधिक या किसी भी होम डोज़ खुराक प्राप्त कर रहे हैं। दरअसल, कुछ उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी कि क्या OST टेक-होम खुराक पर नीतियों में बदलाव किए गए थे या नहीं। उत्तरदाताओं ने COVID-19 पर्यावरण में होने वाले किसी भी परिवर्तन के "स्थायित्व" के बारे में भी चिंता व्यक्त की बाद में क्या होगा। अन्य लोगों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि COVID-19 स्थितियों में मौजूदा ग्राहकों के लिए और अधिक लचीलापन हो सकता है, लेकिन "फेस-टू-फेस सर्विस डिलीवरी में कमी के कारण" इसके लिए कोई नया पंजीकरण नहीं किया जा सकता है।

Comments were also made about the important role that peer advocates have been undertaking in relation to changes to policies and directives on access to take-home doses both in relation to liaising with OST doctors, other service providers, health department officials, etc., and ensuring that changes are being communicated to people who use drugs and on OST in the community. There were specific comments about problems and delays in the implementation of changes due to *"breakdowns in communication"* and *"a lack of timely co-ordination between administrators and service providers"* making the situation unnecessarily complex for peer advocates/services and service users.

टिप्पणी भी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में की गई थी कि सहकर्मी अधिवक्ता ओएसटी डॉक्टरों, अन्य सेवा प्रदाताओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, आदि के साथ संपर्क करने के संबंध में दोनों के लिए घर-घर खुराक लेने की नीतियों और निर्देशों के परिवर्तन के संबंध में काम कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करना कि समुदाय में नशीली दवाओं और ओएसटी का उपयोग करने वाले लोगों के लिए परिवर्तनों को सूचित किया जा रहा है। "संचार में टूटने" और "प्रशासकों और सेवा प्रदाताओं के बीच समय पर समन्वय की कमी" के कारण परिवर्तनों के कार्यान्वयन में समस्याओं और देरी के बारे में विशिष्ट टिप्पणियां थीं, जो कि सहकर्मी अधिवक्ताओं / सेवाओं और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए स्थिति को अनावश्यक रूप से जटिल बनाती हैं।

One important issue raised by multiple respondents was that although there may have been improvements and/or greater flexibilities introduced in relation to OST take-home doses, the same cannot be said for access to take-home naloxone. Respondents spoke about little or no access to take-home naloxone despite also commenting that they believed doctors, on-the-whole, would be more supportive of providing access to take-home naloxone than OST take-homes. But this does not mean that there are no barriers to accessing naloxone as demonstrated by this comment: *"Naloxone is practically unknown even among the drug users while many pharmacists do not encourage drug users to buy it as they are under the impression that the safety it provides would become an incentive for abusing opioids"*. Further monitoring of this issue is important to gain a better understanding of what is occurring in relation to access to take-home naloxone for people who use drugs and to identify and address ongoing access issues including addressing concerns about access to comprehensive overdose prevention as also highlighted above.

एकाधिक उत्तरदाताओं द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह था कि यद्यपि OST टेक-होम खुराक के संबंध में सुधार और / या अधिक लचीलेपन की शुरुआत हुई हो, वही टेक-होम नालोक्सोन की पहुंच के लिए नहीं कहा जा सकता है।

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

उत्तरदाताओं ने कम या बिना ले-होम नालोक्सोन की पहुंच के बारे में बात की, यह भी टिप्पणी करने के बावजूद कि वे मानते थे कि डॉक्टर, पूरे-पूरे, ओटीएस टेक-घरों की तुलना में टेक-होम नालोक्सोन तक पहुंच प्रदान करने में अधिक सहायक होंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस टिप्पणी के अनुसार नालोक्सोन तक पहुंचने में कोई बाधा नहीं है: "नालोक्सोन दवा उपयोगकर्ताओं के बीच भी व्यावहारिक रूप से अज्ञात है, जबकि कई फार्मासिस्ट दवा उपयोगकर्ताओं को इसे खरीदने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते हैं क्योंकि वे इस धारणा के तहत हैं कि यह सुरक्षा है। प्रदान करता है opioids के दुरुपयोग के लिए एक प्रोत्साहन बन जाएगा "। ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए घर-घर नालोक्सोन तक पहुंच के संबंध में क्या हो रहा है, इसकी बेहतर समझ हासिल करने के लिए ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों की पहचान करना और उन तक पहुंच के मुद्दों की पहचान करना और उनका पता लगाना शामिल है, जो व्यापक रूप से ओवरडोज की रोकथाम के बारे में चिंताओं को हल करने के साथ-साथ ऊपर हाइलाइट किए गए हैं।

Others pointed out that COVID-19 conditions have, in some places, made limited services even less available due to the closure of mainstream services. Issues were raised about cost increases associated with increased access to take-home doses and how people without means are having to pay for take-home doses that they may not have had to pay for previously due to the closure of services associated with COVID-19. Several comments highlighted the increased difficulties for people who use drugs and those on OST who are homeless and have little information, support or means to access any programs that are available particularly when many services can only be contacted via phone or online services. Respondents from the Hindi, Spanish, Russian and English surveys also highlighted that there are many places where OST and naloxone remains unavailable – regardless of COVID-19.

अन्य लोगों ने बताया कि COVID-19 की स्थितियों ने, कुछ स्थानों पर, मुख्यधारा की सेवाओं के बंद होने के कारण सीमित सेवाओं को भी कम उपलब्ध कराया है। लागत में वृद्धि के बारे में मुद्दे उठाए गए थे कि टेक-होम खुराक तक पहुंच बढ़े और बिना साधन के लोगों को टेक-होम खुराक के लिए भुगतान करना पड़े, जो कि COVID-19 से जुड़ी सेवाओं के बंद होने के कारण उन्हें पहले नहीं चुकानी पड़ती थी। कई टिप्पणियों में ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों और ओएसटी पर उन लोगों के लिए बढ़ी हुई कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया जो बेघर हैं और किसी भी प्रोग्राम को एक्सेस करने के लिए बहुत कम जानकारी, समर्थन या साधन हैं जो विशेष रूप से तब उपलब्ध होते हैं जब कई सेवाओं को केवल फोन या ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है। हिंदी, स्पैनिश, रूसी और अंग्रेजी सर्वेक्षणों के उत्तरदाताओं ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ऐसे कई स्थान हैं जहां OST और नालोक्सोन अनुपलब्ध हैं - COVID-19 की परवाह किए बिना।

Access to Other Health/Support Services:

When asked about access to other health and support services during COVID-19, on average only 30% of respondents indicated they had access to outreach and free food services, followed by 20-30% of respondents who indicated access to housing, emergency shelters, free legal services, women's services and family & domestic violence services. Over 20% of respondents indicated they had no access to other health and support services.

COVID-19 के दौरान अन्य स्वास्थ्य और सहायता सेवाओं तक पहुंच के बारे में पूछे जाने पर, केवल 30% उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि उनके पास आउटरीच और मुफ्त भोजन सेवाओं तक पहुंच है, इसके बाद 20-30% उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके पास आवास, आपातकालीन आश्रयों तक पहुंचने का संकेत दिया, मुफ्त कानूनी सेवाएं, महिलाओं की सेवाएं और परिवार और घरेलू हिंसा सेवाओं तक पहुंच है। 20% से अधिक उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि उनके पास अन्य स्वास्थ्य और सहायता सेवाओं तक पहुंच नहीं है



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

Some of the comments provided by respondents give a sense of the confusion, frustration and hardship many people who use drugs are experiencing in relation to accessing broader health and support services, not only in the time of COVID including: *"the landscape of services has dramatically changed and I'm unsure of what is no longer available at this time"* and this comment, that highlights the discriminatory rules conditions imposed on people who use drugs that limit their ability to freely access existing social services. *"Only the newly opened one Shelter for Homeless Drug Users. Nothing else and sadly nothing for women. Nothing provided for abused women who use drugs. They are usually asked to 'get clean' and then come back to a safe place/shelter to sleep or be treated for the abuse. The results are horrendous as they are practically left to suffer, unable to brake [sic] free of their abusers"* (Greece) and *"Drug-using sex workers in my area - my peers - hardly have access to any of the above even outside the context of a pandemic"* (United States).

उत्तरदाताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली टिप्पणियों में से कुछ भ्रम, निराशा और कठिनाई की भावना देते हैं, कई लोग जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं, वे व्यापक स्वास्थ्य और समर्थन सेवाओं तक पहुंचने के संबंध में अनुभव कर रहे हैं, न केवल COVID के समय: *"सेवाओं का परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया है और इस समय जो उपलब्ध नहीं है, उसके बारे में मैं अनिश्चित हूँ" और यह टिप्पणी, जो उन लोगों पर लगाए गए भेदभावपूर्ण नियमों की शर्तों को उजागर करती है जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं जो मौजूदा सामाजिक सेवाओं तक स्वतंत्र रूप से पहुंचने की उनकी क्षमता को सीमित करते हैं। "होमलेस ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए केवल एक नया शेल्टर खोला गया। और कुछ नहीं और यह दुख की बात है की महिलाओं के लिए कुछ भी नहीं। नशीली दवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं के लिए कुछ भी नहीं दिया गया है। उन्हें आमतौर पर 'साफ होने' के लिए कहा जाता है और फिर एक सुरक्षित जगह / आश्रय सोने के लिए दे दिए जाता है या दुरुपयोग के लिए इलाज किया जाता है। परिणाम भयावह हैं क्योंकि वे व्यावहारिक रूप से पीड़ित हैं, अपने गालियों से मुक्त [sic] (ग्रीस) और "मेरे क्षेत्र में नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले यौनकर्मियों - मेरे साथियों - शायद ही महामारी (संयुक्त राज्य अमेरिका) के संदर्भ में भी उपरोक्त में से किसी तक भी पहुँच नहीं है।*

Impact of COVID-19 on PWUD:

The final question in the section on health and harm reduction related to how respondents are coping in relation to the impact of COVID-19 on how they are feeling. Respondents could select as many options as applied. Between 40-50% of respondents reported feelings of loneliness, anxiety, social isolation and feeling uncertain and scared about the future. A further 35% of respondents reported feeling anger and frustration and while 30% of respondents reported feeling depressed another 30% stated they were feeling OK and coping OK. While approximately 25% of respondents said they were unsure about the impact that COVID is having for them, almost 20% reported having suicidal thoughts.

स्वास्थ्य और हार्म रिडक्शन के सेक्शन का अंतिम प्रश्न इससे संबंधित है कि कैसे उत्तरदाता COVID-19 के प्रभाव के संबंध में मुकाबला कर रहे हैं कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं। उत्तरदाता लागू किए गए विकल्प के रूप में कई विकल्प चुन सकता है। उत्तरदाताओं के 40-50% के बीच अकेलेपन, चिंता, सामाजिक अलगाव और भविष्य के बारे में अनिश्चित और डर की भावनाओं की सूचना दी। उत्तरदाताओं के एक और 35% ने क्रोध और हताशा महसूस की और जबकि 30% उत्तरदाताओं ने यह महसूस किया कि एक और 30% ने उदास महसूस किया और कहा कि वे ठीक महसूस कर रहे थे और ठीक है।



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

लगभग 25% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे उस प्रभाव के बारे में अनिश्चित थे जो COVID उनके लिए हो रहा था, लगभग 20% ने आत्मघाती विचार होने की सूचना दी।

While these issues are difficult to measure in a qualitative survey, and of course, different issues will affect different people in different ways depending on many other factors including their background/context/country, etc., it does provide some insight into the impact COVID is having on an already highly marginalised community.

हालांकि इन मुद्दों को गुणात्मक सर्वेक्षण में मापना मुश्किल है, और निश्चित रूप से, विभिन्न मुद्दे अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करेंगे, उनकी पृष्ठभूमि / संदर्भ / देश, आदि सहित कई अन्य कारकों के आधार पर, यह उपेक्षित समूहों पर COVID प्रभाव में कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान करता है

Section 2: Drug Use & Safe Supply

This section focused on a series of questions about changes to the illicit drug market, drug use practices, drug-related overdose and disruptions to OST medications for people who use drugs in the COVID-19 pandemic environment.

इस अनुभाग में अवैध दवा बाजार में परिवर्तन, दवा के उपयोग की प्रथाओं, दवा से संबंधित ओवरडोज और व्यवधानों के बारे में COVID-19 महामारी के वातावरण में ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों में परिवर्तन के बारे में सवाल की एक श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया।

Changes to the Illicit Drug Market:

Between 50-70% of respondents reported that prices have increased, quality has decreased and deals have become smaller. Over 40% of respondents also reported that people are switching drugs because they cannot get access to their preferred drugs/s but others highlight that lockdown and lack of contact with people makes it difficult to know what is really happening: *"It's a mixed reality and depends on the drug of choice. People seem to be using more cannabis and less cocaine... but again difficult to tell with little access to the outdoors."*

50-70% के बीच उत्तरदाताओं ने बताया कि कीमतों में वृद्धि हुई है, गुणवत्ता में कमी आई है और सौदे कम हो गए हैं। 40% से अधिक उत्तरदाताओं ने यह भी बताया कि लोग ड्रग्स को स्विच कर रहे हैं क्योंकि वे अपनी पसंदीदा ड्रग्स/ ड्रग्स तक पहुंच नहीं पा सकते हैं, लेकिन अन्य लोगों ने कहा कि लॉकडाउन और लोगों के साथ संपर्क की कमी से यह जानना मुश्किल हो जाता है कि वास्तव में क्या हो रहा है: "यह एक मिश्रित वास्तविकता है और ड्रग्स की पसंद पर निर्भर करता है। लोग अधिक भांग और कम कोकीन का उपयोग करने लगे हैं... लेकिन फिर से बाहर तक थोड़ी पहुंच के साथ बताना मुश्किल है।"

A further 30% of respondents reported problems with adulterants. Just over 10% of respondents reported new drugs appearing on the market and comments referred to increases in people buying drugs online and a decrease in street dealing due to increased visibility, police presence and large fines for breaching lockdown directives including this comment: *"Police make more controls than before. It's difficult buy and sell in streets"* and *"Meeting with people is risky from both the virus and police"*.



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

एक और 30% उत्तरदाताओं ने मिलावट की समस्याओं की सूचना दी। बस 10% से अधिक उत्तरदाताओं ने बाजार में नए ड्रग्स की सूचना दी और ऑनलाइन ड्रग्स खरीदने वाले लोगों में वृद्धि का उल्लेख किया और इस दृश्य सहित लॉकडाउन निर्देशों के उल्लंघन के लिए बढ़ती दृश्यता, पुलिस की उपस्थिति और बड़े जुर्माना के कारण सड़क से निपटने में कमी आई: "पुलिस पहले से अधिक नियंत्रण करने लगी इसलिए गलियों में खरीदना और बेचना मुश्किल है " और लोगों से मिलना वायरस और पुलिस दोनों से जोखिम भरा है

Approximately 5% of respondents reported no change in the market but, additional comments from respondents indicated that people are expecting this situation to change as the COVID-19 lockdown continues including the following comments: "no change yet but we expect it to come soon" and "We expected substantial shortages but no dramatic changes have been noticed yet in the market" and "Heard varying reports" and "Talk of potential shortages" and "...there have been scattered reports of reduced availability and purity, and higher prices - mainly for heroin and cannabis" (United Kingdom).

लगभग 5% उत्तरदाताओं ने बताया कि बाजार में कोई बदलाव नहीं किया लेकिन, उत्तरदाताओं के अतिरिक्त टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि लोग इस स्थिति को बदलने की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि COVID-19 लॉकडाउन में निम्न टिप्पणियां जारी हैं: "अभी तक कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन हम जल्द ही आने की उम्मीद करते हैं" और "हमें पर्याप्त कमी की उम्मीद है लेकिन बाजार में अभी तक कोई बदलाव नहीं देखा गया है" और "अलग-अलग रिपोर्ट कि बाते" और "संभावित कमी की बात करें" और "... कम उपलब्धता और शुद्धता, और उच्च कीमतों की बिखरी हुई रिपोर्टें हैं - मुख्य रूप से हेरोइन और भांग के लिए "(यूनाइटेड किंगडम)।

Involuntary Withdrawal Due to Changes in Drug Market:

When asked if they have been forced into involuntary withdrawal due to changes in the drug market or have heard about other people experiencing this almost 60% of respondents answered "yes" with a further 30% answering "no" and 10% unsure. The additional comments provided by respondents also spoke to this issue including: "People are trying any sorts of drugs to manage their withdrawals" and "isolation has increased alcohol use to offset difficulties in acquiring drug of choice".

यह पूछे जाने पर कि क्या दवा बाजार में बदलाव के कारण उन्हें अनैच्छिक विथड्रावल के लिए मजबूर किया गया है या अन्य लोगों के बारे में सुना है जो लगभग 60% उत्तरदाताओं का अनुभव "हाँ" का है 30% के साथ "नहीं" और 10% अनिश्चित है। उत्तरदाताओं द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त टिप्पणियां भी इस मुद्दे पर बात करती हैं: "लोग अपनी विथड्रावल का प्रबंधन करने के लिए किसी भी प्रकार की दवाओं की कोशिश कर रहे हैं" और "आइसोलेशन में शराब का उपयोग बढ़ गया है अपने पसंदीदा ड्रग्स को प्राप्त करने में कठिनाइयों को ऑफसेट करने की वजह से "।

Increased Risk of Overdose During COVID-19:

When asked if they have heard of more people using alone because of physical distancing requirements, 50% of respondents answered "yes" with a further 29% answered "no" and 21% answering "unsure". The fact that half of the respondents answered "yes" indicates that increased risk of overdose is a significant issue for people who use drugs during COVID-19 lockdown/isolation. Comments from respondents highlight the impact that social isolation is having on people who use drugs: "People who live alone are the main ones affected - I know of several singletons who are using

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

a variety of drugs alone because of the lockdown - including heroin users” and another respondent simply added “I’m using alone more”.

यह पूछे जाने पर कि क्या शारीरिक दूरी की आवश्यकताओं के कारण उन्होंने अधिक लोगों को अकेले उपयोग करने के बारे में सुना है, 50% उत्तरदाताओं ने “हाँ” और 29% उत्तर “नहीं” और 21% उत्तर “अनिश्चित” दिया। तथ्य यह है कि उत्तरदाताओं में से आधे ने “हाँ” का संकेत दिया है कि ओवरडोज का खतरा बढ़ गया है जो उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो COVID-19 लॉकडाउन/ आइसोलेशन के दौरान दवाओं का उपयोग करते हैं। उत्तरदाताओं की टिप्पणियाँ इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों पर सामाजिक आइसोलेशन का प्रभाव पड़ता है: “जो लोग अकेले रहते हैं वे मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं- मुझे कई सिंगलेटों के बारे में पता है जो लॉकडाउन के कारण अकेले ड्रग्स की एक किस्म का उपयोग कर रहे हैं- हेरोइन उपयोगकर्ताओं सहित” और एक और प्रतिवादी ने बस कहा “मैं अकेले अधिक उपयोग कर रहा हूँ”

We asked if people have seen/heard of increases in overdoses during COVID-19 and 14% of respondents answered “yes” with comments including: “I’ve known 3 people who have died since the pandemic started. OD rates have skyrocketed in my county. Last year we had 96 OD’s, we’ve had 76 in 3 months during the pandemic” (United States) and “Multiple overdoses in the park. Less services mean people are more at risk” (United States). Others highlighted issues such as tolerance including “new users with no tolerance” and “return to use with no tolerance” (United States). Others spoke on a more personal level: “Personally I lost (OD result in Death) 2 friends - 1 very close and one estranged - within a week of each other and have heard of at least 2 other revived ODs in same month. Shits crazy” (Australia) and this comment “A friend died from an overdose of drugs and alcohol” (Bolivia). Reports of increases in overdose have also been heard anecdotally through our networks.

हमने पूछा कि क्या COVID-19 के दौरान लोगों ने ओवरडोज में वृद्धि देखी/ सुनी है और 14% उत्तरदाताओं ने “हाँ” सहित जवाब दिया: “मैं उन 3 लोगों को जानता हूँ, जिनकी महामारी से मृत्यु हो चुकी है। मेरे काउंटी में OD दर आसमान छू चुके हैं। पिछले साल हमारे पास 96 ODs थे, हमारे पास महामारी के दौरान 3 महीने में 76 ”(संयुक्त राज्य अमेरिका) और “पार्क में कई ओवरडोज थे। कम सेवाओं का मतलब है कि लोग जोखिम में अधिक हैं”(संयुक्त राज्य अमेरिका)। अन्य लोगों ने सहनशीलता जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिसमें “बिना सहनशीलता वाले नए उपयोगकर्ता” और “बिना सहनशीलता के उपयोग के वापसी” (संयुक्त राज्य अमेरिका) शामिल हैं। अन्य लोगों ने अधिक व्यक्तिगत स्तर पर बात की: “व्यक्तिगत रूप से मैं हार गया (मृत्यु में OD परिणाम) 2 दोस्त - 1 बहुत करीबी और एक दूसरे को एक सप्ताह के भीतर - एक दूसरे के करीब और एक ही महीने में कम से कम 2 अन्य पुनर्जीवित ओडी के बारे में सुना है। पागल हो जाता है”(ऑस्ट्रेलिया) और इस टिप्पणी “ड्रग्स और अल्कोहल के ओवरडोज से एक दोस्त की मृत्यु हो गई”(बोलीविया)। ओवरडोज में वृद्धि की रिपोर्ट भी हमारे नेटवर्क के माध्यम से सुनाई गई है।

Although 60% answered “no” to whether they have seen/heard of increases in overdoses during COVID-19, the remaining 26% of respondents answered “unsure” to this question. Indeed, in additional comments multiple respondents explained that although they may have answered “no” or “unsure” this did not mean that overdoses were not happening in their local area or networks but rather, that people feel very disconnected from what is happening around them due to social isolation and that the lockdown requirements make it very difficult to confirm anything that one does hear. Comments were also made about people not reporting on this issue due to fear.



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

हालाँकि 60% ने इसका जवाब "नहीं" में दिया कि क्या उन्होंने COVID-19 के दौरान ओवरडोज में वृद्धि देखी / सुनी है, शेष 26% उत्तरदाताओं ने इस सवाल का "अनिश्चित" उत्तर दिया। वास्तव में, अतिरिक्त टिप्पणियों में कई उत्तरदाताओं ने समझाया कि भले ही उन्होंने "नहीं" या "अनिश्चित" उत्तर दिया हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि उनके स्थानीय क्षेत्र या नेटवर्क में ओवरडोज नहीं हो रहे थे, बल्कि लोगों को लगता है कि जो उनके आसपास हो रहा है, उससे बहुत डिस्कनेक्ट हुआ है सामाजिक दूरी और लॉकडाउन आवश्यकताओं के कारण किसी भी चीज की पूर्ण करना बहुत मुश्किल हो जाता है। डर के कारण इस मुद्दे पर रिपोर्टिंग नहीं करने वाले लोगों के बारे में टिप्पणियां भी की गईं।

This issue highlights the need to develop COVID-specific harm reduction/overdose prevention messaging by and for people who use drugs that does not simply reproduce existing messaging such as "don't use alone" but understands the complex situations that people who use drugs are managing and provides credible and realistic information for COVID conditions. Furthermore, when taken together with the data above on the ongoing lack of adequate access to take-home naloxone and comprehensive overdose prevention, INPUD would suggest this entire area of harm reduction for people who use drugs requires urgent attention during COVID and beyond.

यह समस्या उन लोगों के लिए COVID- विशिष्ट हानि में कमी / ओवरडोज की रोकथाम के संदेश को विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है और ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए जो मौजूदा मैसेजिंग को पुनः पेश नहीं करते हैं जैसे कि "अकेले उपयोग न करें" लेकिन उन जटिल स्थितियों को समझता है जो ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों को समझती हैं। COVID स्थितियों के लिए विश्वसनीय और यथार्थवादी जानकारी का प्रबंधन और प्रदान करता है। इसके अलावा, जब घर-घर नालोक्सोन और ओवरडोज की रोकथाम के लिए पर्याप्त पहुंच की चल रही कमी के ऊपर डेटा को एक साथ लिया जाता है, तो INPUD यह सुझाव देगा कि जो लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं उनके लिए हार्मरिडक्शन के पूरे क्षेत्र में COVID और उससे आगे के दौरान तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

Disruptions to OST Medications During COVID-19:

When asked if changes had been made to OST to make it easier and faster to get onto the program during COVID-19 some respondents reported services introducing specific measures with 26% reporting introducing take-home doses for OST, 41% reporting increases in the number of take-home doses for OST, 13% reported an easing of entry procedures, 18% reported removal of requirements for supervised consumption and 19% reported removal of requirements for compulsory urine analysis testing.

यह पूछे जाने पर कि COVID-19 के दौरान प्रोग्राम में आने के लिए OST में परिवर्तन करना आसान और तेज़ हो गया है, कुछ उत्तरदाताओं ने 26% रिपोर्टिंग के साथ विशिष्ट उपायों की शुरुआत करने वाली सेवाओं की रिपोर्ट की, जिसमें OST के लिए टेक-होम खुराक की शुरुआत की गई, 41% रिपोर्टिंग संख्या में वृद्धि हुई OST के लिए टेक-होम की खुराक, 13% ने प्रवेश प्रक्रियाओं में ढील दी, 18% ने पर्यवेक्षण की खपत के लिए आवश्यकताओं को हटाने और 19% ने अनिवार्य मूत्र विश्लेषण परीक्षण के लिए आवश्यकताओं को हटाने की सूचना दी।

Despite the above changes, 40% of respondents reported "no change" to make access to OST easier or faster during COVID-19 with comments about continuing barriers to access despite policy changes such as people not being given as much flexibility with take-home doses, unsupervised consumption, etc., as the policy allows as well as arbitrary rules, onerous requirements such as 'locked-boxes' for storage of take-home doses. As also identified above, respondents also commented on difficulties

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

associated with restrictions on new OST clients during COVID-19. Having said this however, some other respondents commented on how OST services had worked to implement the relaxation of guidelines including increases to take-home doses, longer scripts, simpler processes, 3rd party pick-up for people in quarantine or isolation and one respondent spoke about the introduction of a hydromorphone prescribing service for people in 'active addiction' as a new service during COVID-19.

उपरोक्त परिवर्तनों के बावजूद, 40% उत्तरदाताओं ने COVID-19 के दौरान OST को आसान या तेज़ करने के लिए "कोई परिवर्तन नहीं" की सूचना दी, नीतिगत परिवर्तनों के बावजूद बाधाओं को जारी रखने के बारे में टिप्पणियों के साथ जैसे कि लोगों को टेक-होम खुराक के साथ अधिक लचीलापन नहीं दिया जा रहा है।, अनुपयोगी खपत, आदि, जैसे कि नीति नियमों के साथ-साथ मनमाने नियमों की अनुमति देती है, टेक-होम खुराक के भंडारण के लिए 'लॉक-बॉक्स' जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकताएं। जैसा कि ऊपर बताया गया है, उत्तरदाताओं ने COVID-19 के दौरान नए OST ग्राहकों पर प्रतिबंध से जुड़ी कठिनाइयों पर भी टिप्पणी की। हालांकि, यह कहने के बाद, कुछ अन्य उत्तरदाताओं ने इस बात पर टिप्पणी की कि सेवाओं ने दिशा-निर्देशों की छूट को लागू करने के लिए कैसे काम किया है, जिसमें टेक-होम खुराक में वृद्धि, लंबी स्क्रिप्ट, सरल प्रक्रियाएं, संगरोध या आइसोलेशन में लोगों के लिए 3 पार्टी पिक-अप और एक प्रतिवादी के बारे में शामिल हैं। COVID-19 के दौरान एक नई सेवा के रूप में 'सक्रिय व्यसन' में लोगों के लिए सेवा देने वाले एक हाइड्रोमीटर फोन की शुरुआत।

When asked specifically about disruptions to OST medications during COVID-19, while most respondents (44%) answered "no", this was closely followed by 36% of respondents answering "unsure" and 20% of respondents answering "yes". The lack of access to information about what is happening and what other people are experiencing due to lockdowns is likely to explain the high level of respondents answering "unsure" to this question. Nevertheless, respondent's comments did indicate disruptions, particularly for new clients to the program due to service closures and restrictions and for people on post-release from prison. Respondents also raised some issues with people already on programs in relation to the effect of lockdown on getting to clinics and chemists for dosing/pick-up including difficulties getting through check-points in some places and miscommunications in relation to the new arrangements such as scripts not sent to pharmacy, confusion over service hours and contacting services in shutdown.

जब विशेष रूप से COVID-19 के दौरान OST दवाओं में व्यवधान के बारे में पूछा गया, तो अधिकांश उत्तरदाताओं (44%) ने "नहीं" उत्तर दिया, इसके बाद "अनिश्चित" उत्तर देने वाले 36% उत्तरदाताओं और 20% उत्तरदाताओं ने "हाँ" का उत्तर दिया। लॉकडाउन के कारण क्या हो रहा है और अन्य लोग क्या अनुभव कर रहे हैं, इस बारे में जानकारी तक पहुंच की कमी इस सवाल का "अनिश्चित" जवाब देने वाले उत्तरदाताओं के उच्च स्तर की व्याख्या करने की संभावना है। फिर भी, उत्तरदाताओं की टिप्पणियों ने व्यवधानों की और संकेत किया, विशेष रूप से सेवा बंद होने और प्रतिबंधों के कारण कार्यक्रम के लिए नए ग्राहकों के लिए और जेल से रिहाई के बाद के लोगों के लिए। उत्तरदाताओं ने कुछ कार्यक्रमों में पहले से ही लोगों के साथ कुछ मुद्दों को उठाया, जिसमें डॉक्टर्स और केमिस्टों को डोजिंग / पिकअप के लिए लॉकिंग के प्रभाव के संबंध में, कुछ स्थानों पर चेक-पाइंट्स के माध्यम से होने वाली कठिनाइयों और नई व्यवस्थाओं के संबंध में गलतफहमी शामिल थी जैसे स्क्रिप्ट फ़ार्मसी को नहीं भेजा गया, सेवा घंटों पर भ्रम और शटडाउन में सेवाओं से संपर्क करने पर।

Planned Decreases in Policing of Drugs During COVID-19:

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

When asked whether they were aware of any plans to decrease policing of drugs for personal possession and small scale supply to keep drug markets stable during COVID-19 and prevent overdose and other harms, most respondents answered “no” (73%) or “unsure” (20%) with only 7% answering “yes”. Despite the lack of formal or “planned” changes, respondents made comments about changes to policing *“local police have stated that they are being “reactive” instead of “proactive” and making fewer arrests - not for our safety's sake, however, but theirs”* (United States). Other respondents stated that policing of people who use drugs for non-violent small-scale supply offences continues unchanged, but now police have increased powers (India, Australia, Bahrain).

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें COVID-19 के दौरान दवा बाजार को स्थिर रखने और अतिदेय और अन्य नुकसानों को रोकने के लिए व्यक्तिगत कब्जे और छोटे पैमाने पर आपूर्ति के लिए दवाओं की पुलिसिंग को कम करने की किसी भी योजना के बारे में पता था, अधिकांश उत्तरदाताओं ने “नहीं” (73%) या अनिश्चित (20%) का जवाब दिया, “हाँ” का जवाब देने वाले केवल 7%। औपचारिक या “नियोजित” परिवर्तनों की कमी के बावजूद, उत्तरदाताओं ने पुलिसिंग में बदलावों के बारे में टिप्पणी की “स्थानीय पुलिस ने कहा है कि वे” सक्रिय “के बजाय” प्रतिक्रियाशील “हो रहे हैं और कम गिरफ्तारी कर रहे हैं - हमारी सुरक्षा के लिए नहीं, हालांकि, लेकिन उनकी ” (संयुक्त राज्य अमेरिका)। अन्य उत्तरदाताओं ने कहा कि गैर-हिंसक छोटे पैमाने पर आपूर्ति अपराधों के लिए ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों की पुलिसिंग अपरिवर्तित है, लेकिन अब पुलिस ने शक्तियों में वृद्धि की है (भारत, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन)।

Other respondents spoke about homeless people who use drugs being the main targets of policing partly due because with lockdown, people on the streets *“standout more”* which some highlighted is made worse by the lack of safe consumption rooms: *“We have rather been the main target of police and gendarmeries since the crisis started since there are many homeless drug users and no consumption room existing”* (Cameroon). Some other respondents reported an increase in policing and in fines for people who use drugs breaching the isolation rules. While other respondents reported noticing a decrease in *“stop and search”* of people who use drugs in their areas (such as the United Kingdom), however some felt this had more to do with police not wanting contact due to fears of the virus.

अन्य उत्तरदाताओं ने बेघर लोगों के बारे में बात की, जो दवाओं का उपयोग आंशिक रूप से पुलिसिंग के मुख्य लक्ष्यों के कारण करते हैं क्योंकि लॉकडाउन के साथ, सड़कों पर लोग “स्टैंडआउट अधिक” होते हैं, जिन्हें कुछ हाइलाइट किया गया है, जो सुरक्षित उपभोग कमरों की कमी से बदतर हो गए हैं: “हम बल्कि मुख्य टारगेट रहे हैं कई बेघर ड्रग उपयोगकर्ताओं और कोई उपभोग कक्ष मौजूद नहीं होने के कारण पुलिस और जेंडरमैरी का लक्ष्य संकट शुरू हो गया (कैमरून)। कुछ अन्य उत्तरदाताओं ने पुलिसिंग में वृद्धि और उन लोगों के लिए जुर्माना की सूचना दी जो आइसोलेशन नियमों का उल्लंघन करने वाले ड्रग्स का उपयोग करते हैं। हालांकि अन्य उत्तरदाताओं ने अपने क्षेत्रों (जैसे यूनाइटेड किंगडम) में ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के “रोक और खोज” में कमी की सूचना दी, हालांकि कुछ लोगों ने महसूस किया कि पुलिस को वायरस के डर के कारण संपर्क नहीं करना चाहिए।

Section 3: Drug Laws & Detention

This section focused on a series of questions about drug laws and detention including developments in relation to decriminalisation and small-scale drug possession, policing practices, courts and alternatives to prison sentences, use of early-release and pardons and compulsory detention issues during COVID-19.

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

यह धारा ड्रग कानून और निरोध के बारे में सवालों की एक श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें डिक्रिमिनाइजेशन और छोटे पैमाने पर ड्रग कब्जे, पुलिस प्रथाओं, अदालतों और जेल की सजा के विकल्प के संबंध में विकास, जल्दी रिहाई और क्षमा का उपयोग और अनिवार्य विचारण मुद्दों के दौरान COVID-19 शामिल हैं।

Decriminalisation of Personal Possession & Use During COVID-19:

We asked respondents about whether personal possession and use of drugs are decriminalised in their city/state/country and whether this has changed during COVID-19. Perhaps unsurprisingly, most respondents 75 – 80% answered “no” to both questions. While 20% answered “yes” to decriminalisation prior to COVID-19, only 3% of those who responded reported any change to drug laws towards decriminalisation for personal possession and use of drugs during COVID-19. Although respondents did not provide specific details on laws that had changed, respondents did highlight that it is only certain drugs, under certain circumstances but people who are engaged in “*more stigmatised drug possession*” are still being charged. Others stated that it is really only cannabis that has been decriminalised or de-penalised to any significant degree rather than other illicit drugs. It was also noted that even where laws have changed, sometimes “*people who use drugs are not aware of the changes to provisions*” or the new rights associated with the changes.

हमने इस बारे में उत्तरदाताओं से पूछा कि क्या उनके शहर / राज्य / देश में दवाओं के व्यक्तिगत कब्जे और उपयोग को कम किया गया है और क्या यह COVID-19 के दौरान बदल गया है। शायद अनिश्चित रूप से, अधिकांश उत्तरदाताओं ने 75 - 80% दोनों सवालों के जवाब "नहीं" दिए। जबकि 20% ने COVID -19 से पहले डिक्रिमिनाइजेशन के लिए "हां" का जवाब दिया, केवल 3% लोगों ने जवाब दिया जिन्होंने COVID-19 के दौरान व्यक्तिगत कब्जे और ड्रग्स के उपयोग के लिए डिक्रिमिनेलाइजेशन के लिए ड्रग कानूनों में कोई बदलाव की सूचना दी। हालाँकि उत्तरदाताओं ने कानूनों पर विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया था जो बदल गए थे, उत्तरदाताओं ने यह बताया कि यह केवल कुछ दवाओं है, कुछ परिस्थितियों में लेकिन ऐसे लोग जो "अधिक कलंकित ड्रग कब्जे" में लगे हुए हैं, अभी भी चार्ज किए जा रहे हैं। अन्य लोगों ने कहा कि यह वास्तव में केवल भाग है जो अन्य अशुभ दवाओं के बजाय किसी महत्वपूर्ण डिग्री के लिए विघटित या डी-दंडित किया गया है। यह भी नोट किया गया था कि जहाँ कानून बदल गए हैं, कभी-कभी "ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोग प्रावधानों के परिवर्तनों के बारे में नहीं जानते हैं" या परिवर्तनों से जुड़े नए अधिकार

Respondents also reported that in some environments, police “*turn their eyes elsewhere*” for cannabis use and sometimes for “*recreational*”, “*tourist*” and “*club scene use*” but still prosecute local people who use drugs. Some respondents highlighted that sometimes there is decriminalisation at a city or state/provincial level but not country-wide which can cause major problems for people who use drugs who move around or travel. Even if small amounts for personal use are decriminalised, other respondents highlighted that police can still arrest and interrogate the person for cultivation or manufacturer which still carry a prison term. Respondents also highlighted that: “*many arrests were made and put people into prison during the lockdown. One died in prison from suicide after 4 days from the arrest*” (India). Other respondents wished to draw attention to the fact that most countries have seen no reform and indeed, have extremely harsh drug laws that have sometimes become more severe rather than more relaxed during COVID-19.



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

उत्तरदाताओं ने यह भी बताया कि कुछ परिवेशों में, पुलिस भाग के उपयोग के लिए और कभी-कभी "मनोरंजक", "पर्यटक" और "क्लब दृश्य उपयोग" के लिए "अपनी आँखें कहीं और मोड़ती हैं" लेकिन फिर भी उन स्थानीय लोगों पर मुकदमा चलाती हैं जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं। कुछ उत्तरदाताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कभी-कभी किसी शहर या राज्य / प्रांतीय स्तर पर वैश्वीकरण होता है, लेकिन देश-व्यापी नहीं जो उन लोगों के लिए बड़ी समस्या पैदा कर सकता है जो ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं जो इधर-उधर जाते हैं या यात्रा करते हैं। यहां तक कि अगर व्यक्तिगत उपयोग के लिए छोटी मात्रा को कम कर दिया जाता है, तो अन्य उत्तरदाताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पुलिस अभी भी खेती या निर्माता के लिए उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकती है और पूछताछ कर सकती है जो अभी भी जेल की सजा काट रहा है। उत्तरदाताओं ने इस बात पर भी प्रकाश डाला: "कई गिरफ्तारियां की गईं और बंद के दौरान लोगों को जेल में डाल दिया। गिरफ्तारी के 4 दिन बाद आत्महत्या से जेल में एक की मौत हो गई" (भारत)। अन्य उत्तरदाताओं ने इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित करना चाहा कि अधिकांश देशों ने कोई सुधार नहीं देखा है और वास्तव में, कठोर दवा कानून हैं जो COVID -19 के दौरान कभी-कभी अधिक आराम के बजाय अधिक गंभीर हो गए हैं।

Increases in Policing for Drug Possession & Small-Scale Supply During COVID-19:

Respondents were asked about increases in policing for possession and small-scale supply of drugs during COVID-19 and while 38% answered "no" and a further 32% answered "unsure", 30% of respondents answered "yes" this question. Some of the key issues highlighted by respondents included the fact that people who use drugs and homeless people who use drugs are "standing out more" and "get noticed more" due to lockdowns and coming to police attention more easily due to the lack of other public activity. Respondents also stated that people who use drugs are being "caught up" in routine policing such as stopping people to check if they have "a valid reason for being out" and people being arrested and charged as a result for possession and dealing. One respondent stated that "people who use drugs are being charged twice if they leave home to buy drugs. Buying drugs is considered 'non-essential' so people get massive fines for 'non-essential' travel and then also charged for drug possession" (Australia). Respondents also added that "police have been alerted in some places to be more vigilant about people who use drugs coming out to buy drugs". Countries where this is reported as occurring include India, Australia, Mauritius, Malta, United States, Italy, Paraguay, Russia, and Ukraine.

उत्तरदाताओं से सीओवीआईडी -19 के दौरान कब्जे और ड्रग्स के छोटे पैमाने पर आपूर्ति के लिए पुलिसिंग में वृद्धि के बारे में पूछा गया था, जबकि 38% ने "नहीं" और एक और 32% उत्तर "अनिश्चित" का जवाब दिया, 30% उत्तरदाताओं ने "हाँ" इस सवाल का जवाब दिया। उत्तरदाताओं द्वारा उजागर किए गए कुछ प्रमुख मुद्दों में यह तथ्य शामिल था कि जो लोग ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं और बेघर लोग जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं वे "अधिक बाहर खड़े हैं" और "उन पर अधिक ध्यान दिया जाता है" लॉकडाउन के कारण और अन्य सार्वजनिक गतिविधि की कमी के कारण अधिक आसानी से पुलिस का ध्यान आ रहा है। उत्तरदाताओं ने यह भी कहा कि जो लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं उन्हें रूटीन पुलिसिंग में "पकड़ा" जा रहा है जैसे कि लोगों को यह जांचने के लिए रोकना कि क्या उनके पास "बाहर होने का एक वैध कारण" है और कब्जे और व्यवहार के परिणामस्वरूप लोगों को गिरफ्तार और आरोपित किया जा रहा है। एक उत्तरदाता ने कहा कि "ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों पर ड्रग्स खरीदने के लिए घर छोड़ने पर दो बार शुल्क लिया जाता है। ड्रग्स खरीदना-गैर-आवश्यक 'माना जाता है, इसलिए लोगों को एसेशियल गैर-आवश्यक' यात्रा के लिए बड़े पैमाने पर जुर्माना मिलता है और फिर ड्रग्स के कब्जे के लिए भी शुल्क लिया जाता है" (ऑस्ट्रेलिया)। उत्तरदाताओं ने यह भी कहा कि "कुछ स्थानों पर पुलिस को सतर्क किया गया है कि वे उन लोगों के बारे में अधिक सतर्क रहें जो ड्रग्स खरीदने के लिए ड्रग्स का उपयोग करते हैं"। जिन देशों में ऐसा होने की सूचना है, उनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस, माल्टा, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, पैराग्वे, रूस और यूक्रेन शामिल हैं।



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

Courts and Alternatives to Prison Sentences During COVID-19:

When asked about whether courts are using alternatives to custodial sentencing for minor drug offences during COVID-19, most respondents (48%) answered “no”, with a smaller number of respondents answering “yes” (24%) and “unsure” (28%). Of those who answered “yes” a small number of respondents reported some judges using discretion available to them to avoid the use of custodial sentencing but the majority of comments related to a lack of change. It should be noted however, that the 28% of respondents answering “unsure” likely reflects the fact that many people will not have a full understanding of (or access to information on) how magistrates, justices, etc., are responding under the COVID-19 conditions.

यह पूछे जाने पर कि क्या अदालतें COVID-19 के दौरान मामूली नशीली दवाओं के अपराधों के लिए कस्टोडियल सजा के विकल्प का उपयोग कर रही हैं, सबसे अधिक प्रतिवादी (48%) ने "नहीं", "हां" (24%) और "अनिश्चित" का जवाब देने वाले उत्तरदाताओं की एक छोटी संख्या के साथ (28%)। उत्तरदाताओं की एक छोटी संख्या का जवाब देने वालों में से कुछ लोगों ने कस्टोडियल सेंसिंग के उपयोग से बचने के लिए उपलब्ध विवेक का उपयोग करते हुए कुछ न्यायाधीशों को रिपोर्ट किया, लेकिन अधिकांश बदलाव की कमी से संबंधित टिप्पणियां। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि "अनिश्चित" उत्तर देने वाले उत्तरदाताओं के 28% इस तथ्य को दर्शाते हैं कि कई लोगों को पूरी जानकारी नहीं होगी (या मजिस्ट्रेट, जस्टिस आदि), COVID-19 की स्थितियों के तहत जवाब दे रहे हैं।

Early Release or Pardons During COVID-19:

When asked about whether people who use drugs are being released early or pardoned for non-violent, minor drug offences and/or for those who have less than six months to serve, 42% of respondents answered “no”, 27% answered “yes” and 30% answered “unsure”. The higher number of respondents answering “unsure” probably relates to the lack of information on actual numbers of people being released despite public announcements that people would be released in some cities/regions/countries as supported by this comment: *“I’m pretty sure that is a no, but I could be wrong. I haven’t heard of any cases but that doesn’t mean that it’s not happening”.*

यह पूछे जाने पर कि क्या नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वाले लोगों को अहिंसक, मामूली ड्रग अपराधों और / या जिन लोगों की सेवा करने के लिए छह महीने से कम समय है के लिए रिहा किया गया है, 42% उत्तरदाताओं ने जवाब दिया "नहीं", 27% ने उत्तर दिया "हाँ अनिश्चित" और 30% जवाब अनिश्चित। "अनिश्चित" का जवाब देने वाले उत्तरदाताओं की उच्च संख्या संभवतः सार्वजनिक घोषणाओं के बावजूद जारी किए जाने वाले लोगों की वास्तविक संख्या के बारे में जानकारी की कमी से संबंधित है जो कुछ शहरों / क्षेत्रों / देशों में इस टिप्पणी के समर्थन में जारी किए जाएंगे: "मुझे पूरा यकीन है" यह एक नहीं है, लेकिन मैं गलत हो सकता हूँ। मैंने किसी भी मामले के बारे में नहीं सुना है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा नहीं हो रहा है"।

Some respondents commented that despite public announcements about early releases for people with non-violent offences and good behaviour records, there appears to have been very little action in reality: *“the UK government promised to release more low-risk prisoners and those nearing end of sentence, but the statistics show only a few hundred have been released. Dreadful situation”* and this

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

comment *"Pick and choose, not all the prisoners who were release for non-violence criminal charges from prison"*. One respondent also reported: *"People are getting out early individually b/c of medical reasons, but that's it. There are local legal efforts to #freethemall, but our supposedly progressive prosecutors resist them"* and *"I read that people with lighter prison terms or good behaviour records would be released during the pandemic but I have not seen any changes. There is talk of it but no action so far"*.

कुछ उत्तरदाताओं ने टिप्पणी की कि गैर-हिंसक अपराधों और अच्छे व्यवहार रिकॉर्ड वाले लोगों के लिए जल्दी रिलीज के बारे में सार्वजनिक घोषणाओं के बावजूद, वास्तविकता में बहुत कम कार्रवाई हुई है: "यूके सरकार ने अधिक कम जोखिम वाले कैदियों और उन लोगों को छोड़ने का वादा किया था वाक्य, लेकिन आंकड़े केवल कुछ सौ दिखाते हैं। भयानक स्थिति "और यह टिप्पणी" पिक एंड चूज, उन सभी कैदियों को नहीं जो जेल से अहिंसात्मक आपराधिक आरोपों के लिए रिहा किए गए थे "। एक प्रतिवादी ने यह भी बताया: "लोग चिकित्सा कारणों से व्यक्तिगत रूप से जल्दी बाहर आ रहे हैं, लेकिन यह बात है। #Freethemall के लिए स्थानीय कानूनी प्रयास हैं, लेकिन हमारे कथित प्रगतिशील अभियोजक उनका विरोध करते हैं "और" मैंने पढ़ा कि हल्की जेल की शर्तों या अच्छे व्यवहार रिकॉर्ड वाले लोगों को महामारी के दौरान जारी किया जाएगा लेकिन मैंने कोई बदलाव नहीं देखा है। इस पर बात हो रही है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

A small number of respondents made comments however about prisoners being released during COVID-19 including this comment: *"500 people released from prison most of them were arrested for drug consumption"*. Along with several other issues identified in this survey, developments in relation to early-release and pardons should be monitored further to confirm whether policy commitments in this space are being implemented.

लांकि उत्तरदाताओं की एक छोटी संख्या ने COVID-19 के दौरान कैदियों को रिहा किए जाने के बारे में टिप्पणी की, जिसमें यह टिप्पणी भी शामिल है: "जेल से 500 लोगों को रिहा किया गया उनमें से अधिकांश को ड्रग सेवन के लिए गिरफ्तार किया गया"। इस सर्वेक्षण में पहचाने गए कई अन्य मुद्दों के साथ-साथ, जल्दी-रिलीज और क्षमा के संबंध में विकास की निगरानी की जानी चाहिए कि क्या इस स्थान में नीति प्रतिबद्धताओं को लागू किया जा रहा है।

Released from Compulsory Detention/Private Centres with Coercive Measures During COVID-19:

While at least half of respondents skipped this question because they did not view a question about compulsory treatment centres and/or private treatment centres using coercive measures as relevant to their setting. Of those who responded, 41% stated "no", 50% were "unsure" and 4% answered "yes" in relation to compulsory detention centres and 5% answered "yes" in relation to private treatment centres with coercive measures. Although there were limited additional comments in relation to this question, INPUD would suggest that over 90% of respondents either answering "no" or "unsure" about whether people who use drugs have been released from compulsory detention and private treatment centres during COVID-19 is a 'red-flag' issue that requires urgent attention both in COVID and non-COVID conditions.

जबकि कम से कम आधे उत्तरदाताओं ने इस सवाल को छोड़ दिया क्योंकि उन्होंने अनिवार्य उपचार केंद्रों और / या निजी उपचार केंद्रों के बारे में एक सवाल नहीं देखा, जो उनकी सेटिंग के लिए प्रासंगिक उपायों का उपयोग करते हैं। जवाब देने वालों में, 41% ने कहा "नहीं", 50% "अनिश्चित" थे और 4% ने अनिवार्य निरोध केंद्रों के संबंध में "हां" और 5% ने उत्तर दिया "हां" निजी उपचार केंद्रों के साथ जबरदस्ती के उपायों के संबंध में। यद्यपि इस प्रश्न के संबंध में सीमित अतिरिक्त टिप्पणियां

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

थीं, INPUD सुझाव देगा कि 90% से अधिक उत्तरदाताओं ने या तो "नहीं" या "अनिश्चित" उत्तर दिया कि क्या COVID -19 के दौरान ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोग अनिवार्य निरोध और निजी उपचार केंद्रों से जारी किए गए हैं एक 'रेड-फ्लैग' मुद्दा है जिसमें COVID और गैर-COVID दोनों स्थितियों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

Forced into Compulsory Detention, Rapid Detox, Quarantine Camps & Homeless Shelters During COVID-19:

When asked whether people who use drugs are being harassed or forced into compulsory detention centres, rapid detox in incarceration, quarantine camps & homeless shelters during COVID-19 11% respondents answered "yes" in relation to compulsory detention, 6% in homeless shelters, 30% answered "no" and 53% answered "unsure". Respondents also commented that in some cities, people who use drugs who are homeless are being offered hotel rooms (many of which are vacant) which most people accept due to extra comfort and safety.

यह पूछे जाने पर कि क्या ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों को अनिवार्य हिरासत केंद्रों में परेशान किया जाता है या मजबूर किया जाता है, COVID -19 के दौरान तेजी से डिटॉक्स, कारंटाइन शिविर और बेघर आश्रयों में 11% उत्तरदाताओं ने अनिवार्य बंदी के संबंध में "हां" का जवाब दिया, 6% बेघर आश्रयों में, 30% ने "नहीं" और 53% ने "अनिश्चित" उत्तर दिया। उत्तरदाताओं ने यह भी टिप्पणी की कि कुछ शहरों में, जो लोग बेघर हैं, जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं, उन्हें होटल के कमरे (जिनमें से कई खाली हैं) की पेशकश की जाती है, जो कि ज्यादातर लोग अतिरिक्त आराम और सुरक्षा के कारण स्वीकार करते हैं।

Section 4: Protecting Human Rights

This section focused on a series of questions about the effect of emergency powers on specific communities including increased police violence, housing eviction, social protection measures, drug-related stigma, race-based discrimination and the role of peer-based support during COVID-19.

इस खंड में विशिष्ट समुदायों पर आपातकालीन शक्तियों के प्रभाव के बारे में सवालों की एक श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पुलिस हिंसा, आवास बेदखली, सामाजिक सुरक्षा उपाय, नशीली दवाओं से संबंधित स्टीग्मा, नस्ल-आधारित भेदभाव और COVID-19 के दौरान सहकर्मी-आधारित समर्थन की भूमिका शामिल है

Emergency Powers Being Used to Target Specific Communities:

Of concern is that when asked about whether emergency powers are being used to target specific communities on average, 37% of respondents answered "yes", 35% "no" and 26% answered "unsure". The issues associated with this 'targeting' is highlighted further in the question asked about which communities respondents believe are being targeted where respondents identify people who spend a lot of time on the streets (59%), homeless people (52%), people who use drugs (44%), people of colour (33%), sex workers (30%), women who use drugs (26%), people with mental health issues (26%), first nations (19%) and trans communities (11%).

चिंता की बात यह है कि यह पूछे जाने पर कि क्या आपातकालीन शक्तियों का उपयोग औसतन विशिष्ट समुदायों को लक्षित करने के लिए किया जा रहा है, 37% उत्तरदाताओं ने "हां", 35% "नहीं" और 26% ने "अनिश्चित" उत्तर दिया। इस 'लक्ष्यीकरण' से जुड़े मुद्दों पर और अधिक प्रकाश डाला गया है, जिसके बारे में पूछे जाने पर कि समुदाय के उत्तरदाताओं का मानना है कि उन लोगों को लक्षित किया जा रहा है जहाँ उत्तरदाता ऐसे लोगों की पहचान करते हैं जो सड़कों पर बहुत समय बिताते हैं (59%),

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net



INPUD Limited is a non-profit company registered in England (company registration number 8828458). Our registered office is at Unit 2C05, South Bank Technopark, 90 London Road, London, SE1 6LN, UK



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

बेघर लोग (52%), जो लोग ड्रग्स (44%), रंग के लोग (33%), सेक्स वर्कर (30%), ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाली महिलाएं (26%), मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों वाले लोग (26%), प्रथम राष्ट्र (19%) और ट्रांस समुदाय (11%)।।

When asked whether people who use drugs are being fined for breaches of distancing or lockdown laws, approximately 40% of respondents answered “yes”, 24% answered “no” and 37% answered “unsure”. In addition, comments by respondents highlighted that although people might hear about “crackdowns” and fining of certain communities, these actions are often “out of the public view” and therefore, can make it difficult to prove and/or quantify about what is happening. Others highlighted just how difficult it can be to achieve social distancing in lockdown particularly in communities experiencing poverty where overcrowding is an everyday reality. Respondents also raised issues about the reality of “being a drug user and needing to leave home to get drugs”. Participants also discussed issues about people who have nowhere else to go and are often in parks and other public places and are therefore “constantly harassed/facing fines that they can’t pay”.

यह पूछे जाने पर कि क्या ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों पर प्रतिबंध या लॉकडाउन कानूनों के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है, लगभग 40% उत्तरदाताओं ने “हां”, 24% ने “नहीं” और 37% ने “अनिश्चित” उत्तर दिया। इसके अलावा, उत्तरदाताओं द्वारा टिप्पणियों पर प्रकाश डाला गया है कि हालांकि लोग “क्रेकडाउन” के बारे में सुन सकते हैं और कुछ समुदायों पर जुर्माना लगा सकते हैं, ये कार्य अक्सर “सार्वजनिक दृश्य से बाहर” होते हैं और इसलिए, जो हो रहा है उसके बारे में साबित करना और / या इसकी मात्रा को कम करना मुश्किल हो सकता है। दूसरों ने सिर्फ इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष रूप से गरीबी का सामना करने वाले समुदायों में, जहां अति भीड़ एक रोजमर्रा की वास्तविकता है, लॉकडाउन में सामाजिक गड़बड़ी को प्राप्त करना कितना मुश्किल हो सकता है। उत्तरदाताओं ने “ड्रग उपयोगकर्ता होने और ड्रग्स प्राप्त करने के लिए घर छोड़ने की आवश्यकता” की वास्तविकता के बारे में भी मुद्दे उठाए। प्रतिभागियों ने उन लोगों के बारे में भी चर्चा की, जिनके पास कहीं और जाने के लिए नहीं है और अक्सर पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर होते हैं और इसलिए उन्हें “लगातार परेशान / जुर्माना का सामना करना पड़ता है जो वे भुगतान नहीं कर सकते हैं”।

Violence Against People Who Use Drugs During COVID-19:

When asked if they had heard about more violence towards people who use drugs during COVID-19, while the majority on average answered either “no” (30%) or “unsure” (27), it is concerning that the remaining 43% of respondents answered “yes” either in relation to law enforcement (23%), the general community (8%) or both (12%). Comments included statements about “homeless and roofless people who use drugs always being a target for violence but that COVID has made them more at risk”. Another respondent spoke about “tons of stabbings and assaults against people who use drugs and homeless people”. Other respondents made comments about both “direct violence from law enforcement” and “more racism and risk of being attacked” during COVID-19. Another respondent commented on the fact that while people who use drugs may not be being targeted specifically, “they end up being targeted because they come out to source drugs and in the current context are more obvious and become a focus”.

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने COVID-19 के दौरान ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बारे में अधिक हिंसा के बारे में सुना है, जबकि बहुमत ने औसतन “नहीं” (30%) या “अनिश्चित” (27) का जवाब दिया, यह इस बात से संबंधित है कि शेष 43% उत्तरदाताओं ने “हां” या तो कानून प्रवर्तन (23%), सामान्य समुदाय (8%) या दोनों (12%) के संबंध में उत्तर दिया।

International Network of People who Use Drugs

info@inpud.net | www.inpud.net

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

टिप्पणियों में "बेघर और छतविहीन लोगों के बारे में बयान शामिल थे जो ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं जो हमेशा हिंसा का निशाना बनते हैं लेकिन यह कि COVID ने उन्हें जोखिम में डाल दिया है"। एक अन्य प्रतिवादी ने "नशीली दवाओं और बेघर लोगों का उपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ ठोकर और हमलों के टन के बारे में बात की"। अन्य उत्तरदाताओं ने COVID-19 के दौरान "कानून प्रवर्तन से प्रत्यक्ष हिंसा" और "अधिक नस्लवाद और हमला होने का जोखिम" दोनों के बारे में टिप्पणी की। एक अन्य प्रतिवादी ने इस तथ्य पर टिप्पणी की कि दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को विशेष रूप से लक्षित नहीं किया जा सकता है, "वे अंत में लक्षित हो रहे हैं क्योंकि वे स्रोत दवाओं के लिए बाहर आते हैं और वर्तमान संदर्भ में अधिक स्पष्ट हैं और एक फोकस बन जाते हैं"।

Violence Towards Women Who Use Drugs Incl. Intimate Partner Violence During COVID-19:

Response to the question about violence towards women who use drugs including intimate partner violence was mixed with 37% answering "yes", 37% answering "no" and the remaining 26% "unsure". In the additional comments, one respondent raised issues about female sex workers who are drug users experiencing increased threats of violence during COVID including "demands of quick sex" and being "forced to beg for money by partners due to less sex work or face beatings" (United Kingdom).

ड्रग्स का उपयोग करने वाली महिलाओं के प्रति हिंसा व इंटीमेट साथी हिंसा के बारे में सवाल का जवाब 37% "हाँ", 37% "नहीं" और शेष 26% "अनिश्चित" का जवाब दिया। अतिरिक्त टिप्पणियों में, एक प्रतिवादी ने महिला यौनकर्मियों के बारे में मुद्दों को उठाया, जो ड्रग उपयोगकर्ताओं को COVID के दौरान हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना कर रही हैं, जिसमें "सेक्स की मांग" और "सेक्स वर्क कम होने पर या मारपीट के कारण भागीदारों द्वारा भीख मांगने के लिए मजबूर होना" शामिल है। (यूनाइटेड किंगडम)।

Respondents also made comments about their own experience of violence and those they have heard about including increasing intimate partner violence and family and domestic violence during COVID due to being in lockdown often in very small spaces in poor circumstances. One respondent described the situation as "nowhere to run". Other respondents spoke about "couples fighting even more in lockdown".

उत्तरदाताओं ने हिंसा के अपने अनुभव के बारे में भी टिप्पणी की और उन लोगों के बारे में सुना, जिनमें इंटीमेट साथी हिंसा बढ़ रही है और खराब परिस्थितियों में अक्सर बहुत कम स्थानों पर लॉकडाउन में रहने के कारण COVID के दौरान घरेलू हिंसा। एक प्रतिवादी ने स्थिति को "कहीं भी नहीं भाग सकते" के रूप में वर्णित किया। अन्य उत्तरदाताओं ने "लॉकडाउन में और भी अधिक लड़ रहे जोड़ों" के बारे में बात की।

Housing Eviction During to COVID-19:

Respondents were asked whether they have or know about people who use drugs who have been evicted due to inability to pay rent during COVID-19. In response, on average 23% of respondents answered "yes", 59% answered "no" and 18% answered "unsure" to this question. In additional comments, respondents added that "supposed bans and stays on evictions but only for some – people who use drugs still being told, threatened to leave, getting notices and being evicted". Respondents also spoke about direct and close personal knowledge of evictions due to COVID-19 and not being able to pay full market rent and job losses (particularly casual workers).



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

उत्तरदाताओं से पूछा गया था कि क्या वे उन लोगों के बारे में जानते हैं जो ड्रग्स का उपयोग करते हैं और जिन्हें COVID-19 के दौरान किराए का भुगतान करने में असमर्थता के कारण बेदखल किया गया है। जवाब में, औसतन 23% उत्तरदाताओं ने "हां" का जवाब दिया, 59% ने "नहीं" और 18% ने इस सवाल का "अनिश्चित" उत्तर दिया। अतिरिक्त टिप्पणियों में, उत्तरदाताओं ने कहा कि "माना जाता है कि बेदखली और रोक है लेकिन केवल कुछ लोगों के लिए - जो लोग अभी भी ड्रग्स का उपयोग करते हैं उन्हें बताया जा रहा है, छोड़ने की धमकी दी गई है, नोटिस प्राप्त किया जा रहा है और बेदखल किया जा रहा है"। उत्तरदाताओं ने COVID-19 के कारण बेदखली के प्रत्यक्ष और करीबी व्यक्तिगत ज्ञान के बारे में भी बात की और बताया कि COVID-19 की वजह से पूर्ण बाजार किराए का भुगतान नहीं कर पाए और नौकरी के नुकसान भी हुआ (विशेष रूप से आकस्मिक श्रमिकों)।

Access to Social Protection Measures without Official ID Papers During COVID-19:

When respondents were asked about whether they have experienced less access to social protection measures during COVID-19 due to not having official identification (ID) papers, most respondents (44%) answered "yes", with 33% answering "no" and 23% answering "unsure". Additional comments by respondents focused on the fact that services are not able to provide support to people without official ID cards/papers such as "Peers without ID can't access relief and social benefits" (India). Other respondents stressed the current difficulties for people post-release who have "no phone, get released without support, services are closed, departments are closed and there is no way to even get an ID card" (United States) and "If you don't have a phone and get released from incarceration there's no support to manage your health insurance, benefits, or get an ID". Respondents also commented that people without ID cards cannot get any work or other support and are living very hard lives: "many people are receiving emergency food stamps".

जब उत्तरदाताओं से इस बारे में पूछा गया कि क्या उन्होंने आधिकारिक पहचान (आईडी) कागजात नहीं होने के कारण COVID-19 के दौरान सामाजिक सुरक्षा उपायों तक कम पहुंच का अनुभव किया है, तो अधिकांश उत्तरदाताओं 44% ने "हां" में उत्तर दिया, 33% "नहीं" और 23% ने "अनिश्चित" का जवाब दिया। उत्तरदाताओं द्वारा अतिरिक्त टिप्पणियां इस तथ्य पर केंद्रित हैं कि सेवाएं बिना आधिकारिक आईडी कार्ड / कागजात के लोगों को सहायता प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं जैसे कि भारत में "बिना आईडी के सहकर्मी राहत और सामाजिक लाभ नहीं पा सकते हैं"। अन्य उत्तरदाताओं ने उन लोगों के लिए वर्तमान कठिनाइयों पर बल दिया, जिनके पास "कोई फोन नहीं है, बिना सहायता के जारी किया जाता है, सेवाओं को बंद कर दिया जाता है, विभाग बंद हो जाते हैं और यहां तक कि आईडी कार्ड प्राप्त करने का कोई रास्ता नहीं है" (संयुक्त राज्य अमेरिका) और "यदि आपके पास एक फोन नहीं है और अगर आपका स्वास्थ्य बीमा, लाभ, या एक आईडी प्राप्त करने का प्रबंधन करने के लिए कोई समर्थन नहीं है, तो इसे जारी करें। उत्तरदाताओं ने यह भी टिप्पणी की कि बिना आईडी कार्ड के लोगों को कोई काम या अन्य सहायता नहीं मिल सकती है और वे बहुत कठिन जीवन जी रहे हैं: "कई लोग आपातकालीन भोजन टिकट प्राप्त कर रहे हैं"।

Stigma and Discrimination Towards People Who Use Drugs During COVID-19:

Respondents were asked about whether drug-related stigma and discrimination had increased during COVID-19 and while 44% answered "no", 38% answered "yes" and a further 18% answered "unsure". One of the key issues to highlight in relation to the above responses is that research has shown that stigma and discrimination for people who use drugs is so ubiquitous that it is virtually a universal experience. In this context, it is possible that those who answered "no" were acknowledging that although stigma and discrimination may not have increased during COVID-19, existing high levels of stigma and discrimination continues. This is further supported by the comments by respondents that state that people who use drugs "always experience a lot of stigma and discrimination and this hasn't



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

changed due to COVID-19". It has just been exacerbated by COVID conditions in some contexts and for some people who use drugs who are after all a very heterogeneous group.

उत्तरदाताओं से पूछा गया था कि क्या COVID-19 के दौरान ड्रग से संबंधित कलंक और भेदभाव बढ़ गया था और जबकि 44% ने "नहीं", 38% ने उत्तर दिया "हाँ" और एक और 18% ने "अनिश्चित" उत्तर दिया। उपरोक्त प्रतिक्रियाओं के संबंध में प्रकाश डालने के लिए एक प्रमुख मुद्दा यह है कि अनुसंधान से पता चला है कि ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए स्टिग्मा और भेदभाव इतना सर्वव्यापी है कि यह वास्तव में एक सार्वभौमिक अनुभव है। इस संदर्भ में, यह संभव है कि जिन लोगों ने "नहीं" का उत्तर दिया, वे स्वीकार कर रहे थे कि यद्यपि COVID-19 के दौरान स्टिग्मा और भेदभाव नहीं बढ़े हैं, लेकिन मौजूदा उच्च स्तर पर कलंक और भेदभाव जारी है। यह उत्तरदाताओं द्वारा उन टिप्पणियों के द्वारा समर्थित है जिसमें कहा गया है कि ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोग "हमेशा बहुत स्टिग्मा और भेदभाव का अनुभव करते हैं और यह COVID-19 के कारण परिवर्तित नहीं हुआ है"। यह सिर्फ कुछ संदर्भों में और कुछ लोगों के लिए दवाओं का उपयोग करता है जो बहुत ही विषम समूह के बाद होते हैं।

Race-Based Discrimination Towards People Who Use Drugs During COVID-19:

When asked about whether they had seen or experienced increases in race-based discrimination against people who use drugs during COVID-19 most respondents (48%) answered "no" although 26% of respondents answered "yes" and a further 26% answered "not sure". When taken together, a majority of respondents answered either "yes" or "unsure" which makes this issue an important area of ongoing monitoring for this survey. Respondents who provided comments identified race-based discrimination against people of African American Creole decent, Chinese and other Asian backgrounds and migrant communities who are experiencing homelessness and the fact that COVID-19 has created even more race-based discrimination due to increased fears in the community.

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने COVID-19 के दौरान ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ नस्ल-आधारित भेदभाव को देखा या अनुभव किया है, (48%) उत्तरदाताओं ने "नहीं" जवाब दिया, हालांकि 26% उत्तरदाताओं ने "हाँ" और आगे 26% उत्तर दिया "निश्चित नहीं"। जब एक साथ लिया जाता है, तो अधिकांश उत्तरदाताओं ने या तो "हाँ" या "अनिश्चित" उत्तर दिया, जो इस मुद्दे को इस सर्वेक्षण के लिए चल रहे निगरानी का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाता है। प्रतिक्रिया देने वाले लोगों ने अफ्रीकी अमेरिकी क्रेओल सभ्य, चीनी और अन्य एशियाई पृष्ठभूमि के लोगों के खिलाफ नस्ल आधारित भेदभाव की पहचान की और प्रवासी समुदाय जो बेघर होने का अनुभव कर रहे हैं और यह तथ्य कि COVID-19 ने बढ़े हुए भय के कारण और भी अधिक नस्ल आधारित समुदाय में भेदभाव पैदा किया है।

Support & Solidarity Among People Who Use Drugs During COVID-19:

When respondents were asked about support they have received and provided among the community of people who use drugs during COVID-19 (respondents could choose as many options as applied), on average the main types of support included: harm reduction equipment deliveries and buying food for others (over 50%). This was followed by help with advocacy, getting together to look after each other, mobilising around a specific issue, cooking meals for each other, financial support and providing safe places to stay (30-49%). The final area included use of phone data/internet (30%), help with transport to health and other services (28%) and buying food together and helping with children (17%). Several respondents made comments along the lines of the following comment about solidarity between peers which has made them "feel proud of the ideas and attitudes of people who use drugs and the way that people take care of each other's needs" (United States).

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

जब उत्तरदाताओं से उन लोगों के समर्थन के बारे में पूछा गया, जो COVID-19 के दौरान ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के समुदाय को प्राप्त हुए हैं और प्रदान किए गए हैं (उत्तरदाताओं जितने विकल्प चुने जा सकते हैं वह चुन सकता है), औसतन मुख्य प्रकार के समर्थन में शामिल थे: हार्म रएड्युक्शन वाले उपकरण वितरित करना और भोजन खरीदना दूसरों के लिए (50% से अधिक)। इसके बाद वकालत में मदद मिली, एक-दूसरे की देखभाल करने के लिए, एक विशिष्ट मुद्दे के आसपास जुटना, एक-दूसरे के लिए भोजन पकाना, वित्तीय सहायता और रहने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करना (30-49%)। अंतिम क्षेत्र में फोन डेटा / इंटरनेट (30%) का उपयोग, स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं (28%) के परिवहन और बच्चों के साथ भोजन खरीदने (17%) में मदद करना शामिल था। कई उत्तरदाताओं ने साथियों के बीच एकजुटता के बारे में निम्नलिखित टिप्पणी की तर्ज पर टिप्पणी की, जिसने उन्हें "ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के विचारों और दृष्टिकोण पर गर्व महसूस किया और जिस तरह से लोग एक-दूसरे की जरूरतों का ख्याल रखते हैं" (संयुक्त राज्य अमेरिका)।

Role of Peer-Based PWUD Networks During COVID-19:

When asked about the role of peer-based PWUD networks during COVID-19 respondents were asked to identify what services and supports people had access to and/or found helpful. Respondents identified a large range of service and supports including: advocacy on rights and needs including housing/homelessness, OST advocacy, NSP and harm reduction services, distributing OST, ART and HCV medications, drug checking services, connection to emergency supports, hygiene supplies, food & cash, COVID information, monitoring services, outreach, overdose prevention and naloxone, rights and policing, transport to services, suicide prevention and mental health support.

COVID-19 के दौरान सहकर्मी-आधारित PWUD नेटवर्क की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर, उत्तरदाताओं से यह पूछा गया कि वे किन सेवाओं और समर्थन के लिए लोगों की पहुँच और / या सहायक पाए गए। उत्तरदाताओं ने सेवा और समर्थन की एक बड़ी श्रृंखला की पहचान की: जिसमें आवास / बेघर, OST वकालत, NSP और हार्म रिडक्शन सेवाओं सहित वकालत, OST, ART और HCV दवाओं का वितरण, दवा जाँच सेवाएँ, आपातकालीन सहायता से संबंध, स्वच्छता आपूर्ति, खाद्य और नकदी, COVID जानकारी, निगरानी सेवाएँ, आउटरीच, ओवरडोज रोकथाम और नालोक्सन, अधिकार और पुलिस, सेवाओं के लिए परिवहन, आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य सहायता।

When asked whether peer-led services had been 'more' or 'less' active during COVID-19 respondents said that peer-led services (where they are available) have been very active and sometimes the only services available when other mainstream service have gone into lockdown. Respondents however did also identify that peer-based organising and services have been challenged by the lockdown measures and policies with many peers and some peer-based organisations having to focus on survival as well as trying to support their local communities of people who use drugs.

यह पूछे जाने पर कि सहकर्मी की अगुवाई वाली सेवाएं COVID -19 के उत्तरदाताओं के लिए 'अधिक' या 'कम' सक्रिय थीं, उन्होंने कहा कि सहकर्मी के नेतृत्व वाली सेवाएं (जहां वे उपलब्ध हैं) बहुत सक्रिय हैं और कभी-कभी केवल ऐसी सेवाएं उपलब्ध होती हैं जब तालाबंदी में अन्य मुख्याधारा की सेवा चली गई हो। उत्तरदाताओं ने हालांकि यह भी पहचान की कि सहकर्मी-आधारित आयोजन और सेवाओं को कई साथियों और कुछ सहकर्मी-आधारित संगठनों द्वारा लॉकडाउन के उपायों और नीतियों से चुनौती दी गई है, जो जीवित रहने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के अपने स्थानीय समुदायों का समर्थन करने की कोशिश कर रहे हैं।



INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD)

DATA REPORT 1

June 2020

Nevertheless, respondents highlighted that peer-led services and organisations have been motivated through a heightened sense of urgency, peer motivation and a sense of solidarity. While some organisations may have received some increase in funding to address the demands of the COVID-19 pandemic, most have been motivated through initiative and making the most of peers wanting to support their community through the COVID-19 pandemic.

फिर भी, उत्तरदाताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सहकर्मी के नेतृत्व वाली सेवाओं और संगठनों को तात्कालिकता, सहकर्मी प्रेरणा और एकजुटता की भावना को पूरी तरह से प्रेरित किया गया है। हालांकि कुछ संगठनों ने COVID-19 महामारी की मांगों को पूरा करने के लिए धन में कुछ वृद्धि प्राप्त की है, अधिकांश को पहल के माध्यम से प्रेरित किया गया है और अधिकांश सहकर्मी COVID-19 महामारी के माध्यम से अपने समुदाय का समर्थन करना चाहते हैं।

CONCLUSION

This ground-breaking survey by the International Network of People Who Use Drugs (INPUD) provides a unique perspective on the impact of the COVID-19 pandemic on the lives of people who use drugs globally. The survey identifies a range of issues that require ongoing monitoring and response including problems with access to health and harm reduction services (including OST and naloxone provision, safe consumption rooms, etc), the ongoing negative impact of criminalisation, stigma and discrimination on the lives of people who use drugs, the need to improve access to basic social services support and the need to increase human rights protections for people who use drugs. As data collection is ongoing, future reports from this survey will build an ongoing picture of these and other emerging issues and developments in relation to COVID-19 and people who use drugs.

इंटरनेशनल नेटवर्क ऑफ पीपल यूज ड्रग्स (INPUD) द्वारा किया गया यह ग्राउंड-ब्रेकिंग सर्वे वैश्विक स्तर पर ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के जीवन पर COVID-19 महामारी के प्रभाव पर एक अनूठा परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। सर्वेक्षण उन मुद्दों की एक श्रृंखला की पहचान करता है, जिनकी निगरानी और प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है, जिसमें स्वास्थ्य तक पहुंच और हार्म रिडक्शन सेवाओं (ओएसटी और नालॉक्सोन प्रावधान, सुरक्षित खपत कमरे, आदि) के साथ समस्याएं शामिल हैं, अपराधीकरण, कलंक और जीवन पर भेदभाव के चल रहे नकारात्मक प्रभाव। जो लोग दवाओं का उपयोग करते हैं, बुनियादी सामाजिक सेवाओं के समर्थन तक पहुंच में सुधार करने की आवश्यकता है और ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए मानव अधिकारों की सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता है। जैसा कि डेटा संग्रह जारी है, इस सर्वेक्षण से भविष्य की रिपोर्ट COVID-19 और ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के संबंध में इन और अन्य उभरते मुद्दों और विकास की चल रही तस्वीर का निर्माण करेगी।

ACKNOWLEDGEMENTS

INPUD wishes to acknowledge and thank all the individuals and peer-led organisations who have taken the time to respond to this survey and circulate it to your networks. As a global peer-based network, INPUD is only as strong as its community of people who use drugs. We thank you for your support and solidarity in these challenges times and for your contribution to understanding the impact of COVID-19 on our global community.

International Network of People who Use Drugs

INPUD | Unit 2C05 | South Bank Technopark | 90 London Road | London | SE1 6LN | UK

info@inpud.net | www.inpud.net





INPUD ONLINE SURVEY ON COVID-19 & PEOPLE WHO USE DRUGS (PWUD) DATA REPORT 1

June 2020

INPUD उन सभी व्यक्तियों और साथियों के नेतृत्व वाले संगठनों को स्वीकार करना और धन्यवाद देना चाहता है, जिन्होंने इस सर्वेक्षण का जवाब देने और इसे अपने नेटवर्क पर प्रसारित करने के लिए समय लिया है। एक वैश्विक सहकर्मी-आधारित नेटवर्क के रूप में, INPUD ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के अपने समुदाय के रूप में ही मजबूत है। हम इन चुनौतियों के समय में आपके समर्थन और एकजुटता के लिए और हमारे वैश्विक समुदाय पर COVID-19 के प्रभाव को समझने में आपके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं।

Publisher: International Network of People Who Use Drugs (INPUD)

Peer Research Consultant: Annie Madden AO (2SqPegs Consulting)

INPUD COVID-19 Research Working Group and Data Analysis Sub-Committee: Judy Chang, INPUD Director, Jake Agliata (INPUD staff), Mauro Guarinieri (INPUD staff), Joana Canedo, Sharma Charanjit, John Kimani, Gabriel Buitrón, Acharya Bimal, Charles Henderson, Ernesto Ecorates, Kat Humphries, Parina Subba, David Subeliani, Fabrice Olivet, Aura Roig.